● वर्ष : 17 ● अंक : 140 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

# दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 11 मार्च 2026

# केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया।

## कोविड-19 वैक्सीन के गंभीर दुष्प्रभाव के मामलों में बने नो-फॉल्ट कंपंसेशन नीति

**नई दिल्ली।** कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति को गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं, तो ऐसे मामलों में राहत देने के लिए नो-फॉल्ट कंपंसेशन सिस्टम तैयार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जरिए लागू की जानी चाहिए। कोर्ट के मुताबिक इस नीति का उद्देश्य उन लोगों को मदद देना है, जिन्हें टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने साफ किया कि इस नई नीति में ऐसे मामलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होना चाहिए, जहां वैक्सीन लेने के बाद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हों। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए जो मौजूदा तंत्र पहले से काम कर रहा है, वह आगे भी जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस निगरानी प्रणाली से जुड़ा प्रासंगिक डेटा समय-समय पर सार्वजनिक किया जा सकता है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिलती रहे और पारदर्शिता बनी रहे। कोर्ट ने वैज्ञानिक आकलन से जुड़े मुद्दे पर भी टिप्पणी की। रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टीकाकरण से संबंधित मामलों की जांच और मूल्यांकन के लिए पहले से ही कई वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसलिए इस विषय में अलग से कोर्ट द्वारा किसी नई विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की जरुरत नहीं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि नो-फॉल्ट कंपनसेशन फ्रेमवर्क तैयार करने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि केंद्र सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण ने अपनी कोई जिम्मेदारी या गलती स्वीकार की है।

**ज्वलंत मुद्दा** **संपादकीय**

## भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है। गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है।

इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है। सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए।

**सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक**
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

**संक्षिप्त समाचार**

### निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींवः राष्ट्रपति

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है। जटिल वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने, सीमाओं के पार अवैध वित्तीय प्रवाह का पता लगाने और जटिल कॉरपोरेट संरचनाओं को समझने की क्षमता आईआरएस अधिकारियों को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाती है। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे अपने आचरण और निर्णयों में विवेक बरतें। एक विवेकपूर्ण अधिकारी प्रवर्तन और सुविधा, अधिकार और विनम्रता तथा तकनीकी क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करता है।

### मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

**नई दिल्ली।** लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद अब कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी ऐसा ही प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। विपक्षी पार्टियों के दो सीनियर नेताओं ने सोमवार को इसके संकेत दिए। जानकारी के मुताबिक ओम बिरला के अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे के बाद विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाने पर विचार कर रहा है। अगर विपक्ष संसद में महाभियोग का नोटिस देता है, तो देश में पहली बार होगा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर कांग्रेस नेता ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एसआईआर के विरोध में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत हुई है और सभी पार्टियां अलग-अलग राज्यों में वोटर रोल के चल रहे एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बारी-बारी से होगा। बता दें मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर की जरुरत होती है। इसके बाद ही इससे जुड़े नोटिस को विचार के लिए स्वीकार किया जाता है। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और उनके कार्यों से संबंधित 2023 के कानून के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को उसके पद से केवल उसी प्रकार और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

## राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही आवश्यक दस्तावेज और रिपोर्ट को सदन के पटल रखा गया। शून्यकाल में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कई राज्यों में चल रहे एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने इस प्रक्रिया को "फ्रॉड" बताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण देने और चर्चा कराने की मांग की। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है।

## प्रधानमंत्री आज केरल, तमिलनाडु में 16 हजार करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केरल और तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इस दौरान वे एर्नाकुलम और तिरुचिरापल्ली में लगभग 16,450 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री 11 मार्च को दोपहर लगभग 1:30 बजे केरल के एर्नाकुलम में करीब 10,800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इसके बाद शाम करीब 5:45 बजे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री एर्नाकुलम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली पॉलीप्रोपाइलीन इकाई का शिलान्यास करेंगे। 400 किलो टन प्रति वर्ष क्षमता वाली यह इकाई पैकेजिंग, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों में उपयोग होने वाली सामग्री के घरेलू उत्पादन को मजबूत करेगी। सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के थलापडी-चेंगला खंड के छह लेन परियोजना और वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास के छह लेन परियोजना का उद्घाटन करेंगे। ये दोनों परियोजनाएं क्षेत्र में यातायात सुगमता, सड़क सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री केरल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत निर्मित 23 ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित षोरणूर जंक्शन, कुट्टिप्पुरम और चंगनाशेरी रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा षोरणूर-निलांबुर रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री पलक्कड़-पोल्लाच्चि के बीच नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे, जिससे केरल और तमिलनाडु के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इस सेवा से दोनों राज्यों के बीच रोज़ाना आने-जाने वाले यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और टूरिस्ट को फ़ायदा होगा। प्रधानमंत्री केरल के कोल्लम जिले के वेस्ट कल्लाडा में 50 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी।

## हावड़ा में बेलूर मठ पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त...बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव होगा

**हावड़ा।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विधानसभा चुनाव की समीक्षा करने के लिए इनदिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को सीईसी कुमार बेलूर मठ पहुंचे। हावड़ा में उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव कराएगा। उन्होंने कहा कि पूज्यनीय रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जी की तपोभूमि बेलूर मठ आकर चुनाव आयोग फिर बंगाल के सभी मतदाताओं को बताना चाहता है कि बंगाल के चुनाव बिना किसी दबाव या हिंसा के कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके पहले ज्ञानेश कुमार के दक्षिणेश्वर काली मंदिर के दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता काले झंडे लेकर मंदिर के द्वार पर जमा हुए थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने दक्षिणेश्वर में प्रार्थना की और प्रदेश में चुनाव निष्पक्ष और सफलतापूर्वक करने के लिए देवी का आशीर्वाद मांगा। बता दें कि एक दिन पहले 9 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आगामी बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की थी।

## मजदूर जीवन की त्रासदीः एक बाइक पर चार युवाओं की तेज रफ्तार कार से भिड़ंत में दुःखद मौत

**कटनी/बड़वारा।** मजदूर जीवन की मजबूरियों और यातायात नियमों की अनदेखी का दर्दनाक परिणाम सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर देखने को मिला। जगतपुर-उमरिया के समीप चपहनी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई भीषण टक्कर में बाइक सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक कटनी से उमरिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुर-उमरिया गांव के पास चपहनी मोड़ पर पहुंची, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार (क्रमांक एमपी-13-सीसी-4342) से उसकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। मध्यरात्रि के सन्नाटे में हुई इस दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए लंबा जाम लग गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बड़वारा थाना पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बाइक सवार चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

## जंग का भारत पर असरः गैस किल्लत रोकने के लिए सरकार ने संभाली कमान लगा दिया एस्मा

एजेंसी। नई दिल्ली

**रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने के दिए निर्देश**

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार के साथ-साथ भारत की घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था को भी हिलाकर रख दिया है। सरकार ने एस्मा लागू करते हुए सभी तेल रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे एलपीजी के उत्पादन को अधिकतम स्तर पर ले जाएं। इसके साथ ही, अन्य हाइड्रोकार्बन स्रोतों को भी एलपीजी पूल की ओर मोड़ने के आदेश दिए गए हैं ताकि रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने में हो सके। एस्मा कानून लागू होने के बाद अब इन इकाइयों के लिए उत्पादन और आपूर्ति के मानकों का पालन करना अनिवार्य हो गया है, जिससे किसी भी प्रकार की हड़ताल या कार्य में बाधा डालने वाली गतिविधियों पर रोक लग जाएगी। गैस वितरण की प्राथमिकता तय करते हुए सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहली प्राथमिकता घरों में पाइप से पहुंचने वाली प्राकृतिक गैस और वाहनों के लिए इस्तेमाल होने वाली सीएनजी को दी जाएगी। इन दोनों क्षेत्रों को 100 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दूसरी प्राथमिकता उर्वरक (फर्टिलाइजर) संयंत्रों को दी गई है, जिन्हें उनके पिछले छह महीनों की औसत जरूरत का कम से कम 70 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार की इस मुस्तैदी का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन को युद्ध के दुष्प्रभावों से बचाना और देश की खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित रखना है। बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत में पेट्रोलियम और गैस उत्पादों की किल्लत की आशंका गहरा गई है। इस आपातकालीन स्थिति से निपटने और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) और आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधान लागू कर दिए हैं।

## कैबिनेट : जल जीवन मिशन को मिला विस्तार, सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिलेगा नल कनेक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतिरिक्त आवंटन और पुनर्गठित कार्यान्वयन शामिल है। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत दिसंबर 2028 तक देशभर के सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। जेजेएम का पुनर्गठन और पुनर्रचना बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटकर सेवा वितरण पर केंद्रित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्रिमंडल ने योजना खर्च को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय सहायता 3.59 लाख करोड़ रहेगी। यह 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्री के अनुसार योजना का क्रियान्वयन ऐसे होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा 'सुजलम भारत' बनाया गया है। यह स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगा।

**उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी।** केन्द्र सरकार ने उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले 3,839 करोड़ रुपये के 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बदनवार-पेटलावाड़-थंदला-तिमारवानी खंड (एनएच-752डी) के 4-लेन निर्माण को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर तैयार किया जाएगा।

## नेपाल में आरएसपी अध्यक्ष बालेंद्र शाह को पीएम मोदी ने जीत की दी बधाई

**नई दिल्ली।** पीएम नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेताओं रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह से फोन पर बात की और उन्हें चुनाव में जीत की बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और खुशहाली के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों से भारत-नेपाल संबंध आने वाले सालों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह के साथ फोन पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं को उनकी चुनावी जीत और नेपाल चुनाव में आरएसपी की शानदार सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी आगामी नई सरकार के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं और दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति एवं कल्याण के लिए उनके साथ काम करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीट हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
( 9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

## ख़ास ख़बर

### लापता यूट्यूबर का शव झाड़ियों में मिला, हत्या का केस दर्ज

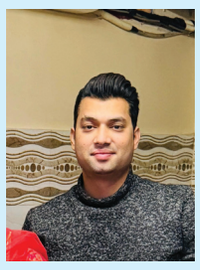

**लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके से लापता हुए 28 वर्षीय यूट्यूबर आकाश का शव सोमवार को आनंद विहार के जंगल में झाड़ियों से बरामद हुआ। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, आकाश सात मार्च से मंडावली स्थित अपने घर से लापता थे। परिजनों ने उसी दिन मंडावली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने मामले में गंभीरता से कार्रवाई नहीं की। परिजनों के मुताबिक, पुलिस ने आकाश के मोबाइल की अंतिम लोकेशन आनंद विहार क्षेत्र में बताई थी। इसके बाद परिवार के लोग खुद वहां पहुंचे और जंगल वाले इलाके में काफी देर तक तलाश करने के बाद झाड़ियों में आकाश का शव मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची आनंद विहार थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंडावली थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आकाश मंडावली ऊंचे पर इलाके में परिवार के साथ रहते थे और कपड़ों का शोरूम चलाते थे। सोशल मीडिया पर उनके चार लाख से ज्यादा फॉलोअर बताए जा रहे हैं। परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो साल की बेटी है। मामले में परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जांच कर रहे एक पुलिसकर्मी ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवाने के नाम पर उनसे 10 हजार रुपये भी लिए। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

### सुप्रीम कोर्ट ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को अग्रिम जमानत दी

**लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय के जस्टिस जेके माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली बेंच ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विवादित पोस्ट लिखने के मामले में लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को अग्रिम जमानत दे दी है। साथ ही कोर्ट ने नेहा सिंह राठौर को जांच में लगातार सहयोग करने का निर्देश दिया । दरअसल, नेहा सिंह राठौर ने पहलगाम आतंकी हमले पर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद नेहा सिंह राठौर पर उत्तर प्रदेश में एफआईआर दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इसके बाद नेहा सिंह राठौर पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 197, 152, 353 और आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। नेहा सिंह राठौर ने इस एफआईआर को निरस्त करने की मांग की थी।

### कैबिनेट : जेवर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी निर्माण की पूंजी लागत में संशोधन

**लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली।** केन्द्र सरकार ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण की कुल पूंजी लागत में संशोधन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज की बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के दिल्ली-फरीदाबाद-बल्लभगढ़-सोहना शाखा से जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण के लिए 3630.77 करोड़ रुपये की संशोधित कुल लागत को मंजूरी दी। मंत्री के अनुसार 31.42 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम से हवाई अड्डे तक सीधी और उच्च गति कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह मार्ग पूर्वी परिधीय एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे और समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर से होकर गुजरता है। यह एलिवेटेड कॉरिडोर शहरी परिवर्तन, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स दक्षता के लिए रणनीतिक सहायक के रूप में कार्य करेगा। वैष्णव ने बताया कि इस परियोजना का लगभग 11 किलोमीटर लंबा हिस्सा एलिवेटेड हाईवे के रूप में विकसित किया जाना है। यह डीएनडी-बल्लभगढ़ बाईपास और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी का महत्वपूर्ण खंड है और इसे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि यह कॉरिडोर फरीदाबाद मास्टर प्लान, 2031 के तहत उच्च घनत्व वाले शहरी विकास और भविष्य के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए निर्धारित क्षेत्र से होकर गुजरता है। प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर की अतिरिक्त लागत 689.24 करोड़ रुपये है और हरियाणा सरकार ने एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 450 करोड़ रुपये वहन करने पर सहमति जताई है।

### प्रियंका ने राहुल गांधी को निडर नेता बताया

**लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली।** लोकसभा अध्यक्ष को हटाए जाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर सवाल उठाए और प्रियंका गांधी को राहुल से बेहतर बताया। इस पर प्रियंका गांधी मुस्कुराती रहीं। इसके बाद रिजिजू ने उनके मुस्कुराने का जिक्र कर पंडित नेहरू का कथन उद्धृत किया। इस पर प्रियंका ने राहुल को निडर नेता बताया। रिजिजू ने अपने भाषण में कहा कि राहुल गांधी को विपक्ष का नेता क्यों बनाया गया, जबकि वे गंभीर नहीं हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा बेहतर विपक्ष की नेता होतीं। रिजिजू के इस बयान पर प्रियंका मुस्कुराती हुई अपनी सीट से खड़ी हो गईं। प्रियंका ने कहा, "मैं इसलिए मुस्कुरा रही थी क्योंकि आज उन्होंने पंडित नेहरू का कथन अपने पक्ष में इस्तेमाल किया, जिनकी वे दिन-रात आलोचना करते हैं। आज रिजिजू ने पंडित नेहरू के उस कथन का हवाला दिया जिसमें उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने की बात कही थी।" उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही एकमात्र व्यक्ति हैं जिन्होंने पिछले 12 वर्षों में सरकार के सामने सिर नहीं झुकाया। राहुल सदन में खड़े होकर बेझिझक सत्य बोलते हैं और यही सच्चाई सरकार को असहज करती है। राहुल ने हमेशा सरकार के सामने सच्चाई रखी है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

### कर्नाटक विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की

**लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक विधान परिषद के चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इस सूची में शशिल जी नमोशी, एसवी संकनुरा और के एम सुरेश के नाम शामिल हैं। भाजपा की तरफ से मंगलवार को जारी की जानकारी के मुताबिक कर्नाटक में विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव समिति ने निर्वाचन क्षेत्र उत्तर पूर्वी शिक्षक से शशिल जी नमोशी, पश्चिमी स्नातक से एसवी संकनुरा और दक्षिण पूर्वी स्नातक से केएम सुरेश को उम्मीदवार बनाया है।

# दिल्ली पुस्तकालय संघ का 88 वां स्थापना दिवस एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

**» के पी सिंह जैसे कर्मयोगी जीवन में बहुत कम मिलते हैं:-प्रो.आर के भट्ट**

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली।** दिल्ली विश्वविद्यालय गांधी भवन में दिल्ली पुस्तकालय संघ का 88 वां स्थापना दिवस एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।डीएलए के अध्यक्ष,गांधी भवन के निदेशक एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो.के.पी. सिंह ने सभी आगंतुक अतिथियों का परिचय कराया।अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. प्रेम सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रो.एस आर रंगनाथन जैसे व्यक्तित्वों की कर्मठता के कारण आज हम पुस्तकालय विज्ञान विभाग को जान पाए हैं। गणित के प्रोफेसर होने के बाद भी प्रो.रंगनाथन जी की पुस्तकालय विज्ञान विषय को लेकर जो निष्ठा थी उसको शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के बिना अधूरे हैं।विश्वविद्यालय पुस्तकालयों से ही आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के आरंभ के समय से 1960 के दशक तक की पुस्तकालय विज्ञान विभाग एवं पुस्तकालय की यात्रा का संस्मरण याद करते हुए उनको जीवंत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से 1957 में दिल्ली विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय का निर्माण संभव हुआ।41605 पुस्तकों से 3 लाख पुस्तकों के संकलन तक का ऐतिहासिक समय 1965 तक रहा।उन्होंने प्रो. एस.दासगुप्ता के योगदान को भी स्मरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुस्तकालय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष,प्रो. आर.के भट्ट ने सभी का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा प्रो. के पी सिंह जैसे कर्मयोगी जीवन में बहुत कम मिलते हैं। स्व प्रेरणा से आगे बढ़ने की जिजीविषा,कर्मठता इनके व्यक्तित्व को अति विशेष बनाती है। प्रो. के पी सिंह दिल्ली पुस्तकालय संघ की आज की प्रगति के भी परिचायक हैं।कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय की डीन( अकादमिक गतिविधि) प्रो.के.रत्नावली ने अपने संबोधन में सबसे पहले डीएलए का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रो. के.पी.सिंह की कर्मठता की प्रशंसा की। पुस्तकालय एक संस्थान के रूप में विकसित हों यही कामना है |उन्होंने दिल्ली पुस्तकालय संघ के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। तत्पश्चात दिल्ली पुस्तकालय संघ का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ।

### मामूली कहासुनी के दौरान दो युवकों को मारा चाकू, दो नाबालिग पकड़े

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली।** उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में बुलिंग का बदला लेने के लिए दो नाबालिगों ने 18 वर्षीय युवक और उसके दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने मामले में शामिल दो नाबालिग को पकड़ लिया है और उनके पास से वारदात में इस्तेमाल किए गए दो चाकू भी बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त अकांक्षा यादव ने मंगलवार को बताया कि 5 मार्च की शाम करीब पांच बजे शिकायतकर्ता आकाश तोमर अपने दोस्तों के साथ जीटीबी नगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-4 के पास बस स्टॉप पर एक रेहड़ी पर खाना खा रहे थे। इसी दौरान गलती से उसका हाथ वहां खड़े एक लड़के से टकरा गया, जिस पर कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान आकाश के दोस्त अर्शिल ने उस लड़के को थप्पड़ मार दिया और उसका बैग पकड़ लिया। इसके बाद उस लड़के और उसके साथियों ने आकाश और अर्शिल पर चाकू से हमला कर दिया।

## हेयर ट्रांसप्लांट और एस्थेटिक प्रोसीजर पर IADVL और APSI की चेतावनी, मरीजों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली:** बड़ी मेडिकल बॉडीज - इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (IADVL) और एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया (APSI) – ने आज दिल्ली प्रेस क्लब में आयोजित एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एस्थेटिक और हेयर रेस्टोरेशन प्रोसीजर में मरीज़ों की सुरक्षा और ट्रेनिंग स्टैंडर्ड्स को लेकर चिंता जताई। एसोसिएशन्स ने कहा कि डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (DCI) द्वारा डेंटिस्ट्स एक्ट, 1948 के प्रावधानों के तहत MDS डेंटल सर्जनों को कुछ एस्थेटिक प्रोसीजर और हेयर ट्रांसप्लांटेशन करने की अनुमति दिए जाने के बाद यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मेडिकल बॉडीज के मुताबिक, ये प्रोसीजर पारंपरिक रूप से नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत प्रशिक्षित डर्मेटोलॉजिस्ट और प्लास्टिक सर्जन जैसे स्पेशलिस्ट द्वारा किए जाते रहे हैं। जैसा कि IADVL के प्रेसिडेंट डॉ. विनय सिंह ने बताया, हेयर ट्रांसप्लांट जैसे प्रोसीजर करने के लिए एस्थेटिक प्रोसीजर और डर्मेटोलॉजी में अतिरिक्त ट्रेनिंग की आवश्यकता होती है। MBBS डिग्री के अलावा, डर्मेटोलॉजिस्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत मान्यता प्राप्त मेडिकल स्कूलों में डर्मेटोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट स्तर पर तीन साल की रेजिडेंसी करनी होती है। इस ट्रेनिंग में त्वचा की विभिन्न बीमारियों, बालों की समस्याओं और डर्मेटोलॉजी से जुड़े एडवांस्ड प्रोसीजर का अध्ययन शामिल होता है। डॉ. रजत गुप्ता, प्लास्टिक सर्जन मरीज़ों को सलाह दी गई है कि किसी भी स्किन, हेयर या कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट से पहले डॉक्टर की क्वालिफिकेशन और स्टेट मेडिकल काउंसिल में उनका रजिस्ट्रेशन अवश्य वेरिफाई करें। डॉक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर प्रिस्क्रिप्शन पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। डॉ. आदित्य अग्रवाल, सीनियर कंसल्टेंट, प्लास्टिक सर्जरी, Medanta के अनुसार, ऐसे सर्जिकल प्रोसीजर के लिए स्किन की बायोलॉजी, बालों के डिसऑर्डर, इन्फेक्शन मैनेजमेंट और संभावित कॉम्प्लीकेशंस को संभालने की गहरी समझ होना जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि हेयर ट्रांसप्लांट एक मॉडर्न मेडिकल प्रोसीजर है और इसे केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स (RMPs) द्वारा ही किया जाना चाहिए, जो इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हों।

## प्रियंका गांधी बोलीं- अमेरिका के सामने झुककर व्यापार समझौता करने और पश्चिम एशिया युद्ध से देश में संकट बढ़ेगा

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

**नई दिल्ली:** देश पर मंडराते ऊर्जा संकट के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा है कि मोदी सरकार के अमेरिका के सामने झुककर व्यापार समझौता करने और पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण आने वाले समय में देश में संकट बढ़ सकता है और सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा देश के आम लोग भुगत रहे हैं। संसद परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी हमेशा सच बोलते हैं और वो देश में ऐसे नेता हैं जो सत्ता के सामने झुके नहीं हैं, इसलिए उन पर लगातार व्यक्तिगत टिप्पणियां की जाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना झिझके सच बोलते हैं और मोदी सरकार सच को स्वीकार नहीं कर पाती है, इसीलिए बार-बार उन पर वार करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए, सोशल मीडिया और मीडिया में अभियान चलाए, लेकिन सब विफल रहा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के संघर्ष जैसे मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। उन्होंने याद दिलाया कि संसद में वंदे मातरम पर घंटों चर्चा की जाती है, नेहरू जी और इंदिरा जी की आलोचना की जाती है, लेकिन देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के संघर्ष पर बात नहीं होती। देश की संपत्ति अडानी-अंबानी को क्यों सौंप दी गई है और अमेरिका को सब कुछ थाली में परोसकर क्यों दिया जा रहा है, इस पर सरकार से कोई जवाब नहीं मिलता।

## कोलकाता पोर्ट के ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने कोलकाता पोर्ट स्थित ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 117.54 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के डॉक सिस्टम की सुरक्षा और परिचालन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय पोत, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 'विरासत भी, विकास भी' की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। यह परियोजना एक महत्वपूर्ण विरासत संपत्ति को संरक्षित करते हुए आधुनिक तकनीक से उसे सुरक्षित, तेज और अधिक कुशल पोर्ट संचालन के लिए तैयार करेगी। मंत्रालय ने बताया कि करीब छह दशक पुराने इस दो लेन के बासक्यूल पुल का निर्माण मूल रूप से वाग्नर-बिरो ब्रिज सिस्टम्स एजी ने किया था। अब इसमें व्यापक संरचनात्मक मजबूती और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल अपग्रेड किए जाएंगे। प्रस्ताव का मूल्यांकन 16 फरवरी 2026 को मंत्रालय की डेलीगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड की बैठक में किया गया था। 117.54 करोड़ रुपए की इस परियोजना को लगभग 41 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता सागरमाला कार्यक्रम के तहत मिलेगी। परियोजना का क्रियान्वयन रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया जाएगा और कार्य मुंबई स्थित एचएंडएच फ्रेसीनेट कंपनी को सौंपा गया है।

## भूटान में 1,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं पर काम करेगा भारत

लोकतंत्र की शान

**थिम्पू।** भारत सरकार ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत पड़ोसी देश में कई विकास परियोजनाओं पर काम करने का फैसला किया है। भारत ने इन प्रोजेक्ट्स के लिए 1,000 करोड़ रुपये की मदद का ऐलान किया है। भारत और भूटान सरकार के बीच थिम्पू में 9 मार्च को तीसरी इंडिया-भूटान हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) कमेटी मीटिंग हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया। थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि इस बैठक में भारतीय डेलीगेशन को भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अनिकेत जी. मांडवगने ने लीड किया, जबकि भूटानी डेलीगेशन का नेतृत्व विदेश मंत्रालय और बाहरी व्यापार मंत्रालय के बाइलेटरल डिपार्टमेंट की डायरेक्टर पेमा त्शोमो ने किया। दूतावास ने कहा, ''भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए, भारत सरकार ने 100 अरब न्गुल्ट्रम (भूटानी मुद्रा) के कुल कमिटमेंट में से, एचआईसीडीपी के लिए 10 अरब यानी करीब 1,000 करोड़ रुपये की मदद देने का वादा किया है। अब तक, भारत सरकार ने एचआईसीडीपी प्रोजेक्ट्स को लागू करने के लिए भूटान की शाही सरकार को 4.97 अरब न्गुल्ट्रम की रकम जारी की है। मीटिंग के दौरान, कमिटी ने कुल 3.2 करोड़ न्गुल्ट्रम की रकम के 5 और प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी और इन प्रोजेक्ट्स के पहले और दूसरे बैच के लागू करने की प्रोग्रेस का रिव्यू किया। अभी तक, 8.46 अरब न्गुल्ट्रम की कीमत के कुल 571 प्रोजेक्ट्स पर सहमति हो चुकी है और इन्हें भारत और भूटान लागू कर रहे हैं। एचआईसीडीपी में कम्युनिटी पर फोकस करने वाले प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिन्हें कम समय में पूरा किया जा सकता है और ये ग्रामीण कनेक्टिविटी, पीने के पानी की सप्लाई, सिंचाई, खेती का इंफ्रास्ट्रक्चर, बाढ़ से बचाव, टूरिज्म डेवलपमेंट, टाउनशिप इंफ्रास्ट्रक्चर और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे सेक्टर को सपोर्ट करते हैं। ये प्रोजेक्ट लोकल सरकारों द्वारा लागू किए जाते हैं, खासकर ग्रामीण और सेमी-अर्बन इलाकों में और ये लोकल कम्युनिटी के लिए आर्थिक मौके बढ़ाते हैं और बेहतर रोजी-रोटी, नौकरी बनाने और फूड सिक्योरिटी में मदद करते हैं। बता दें कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भूटान की विभिन्न क्षेत्रों में काफी मदद कर रहा है, जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना मुख्य तौर पर शामिल है।

## पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों की हरसंभव सहायता करेगी सरकार : गोयल

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को मदद देने के लिए सरकार बीमा समर्थन जैसी नई योजनाएं शुरू करने की संभावना तलाश रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्यातकों को सहायता के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आहार अंतरराष्ट्रीय भोजन और आतिथ्य मेला के 40वें संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खाद्य और कृषि उत्पादों, जिनमें कृषि उपज और मत्स्य पालन शामिल हैं, उसका निर्यात सालाना लगभग 5 लाख करोड़ रुपये (55 अरब डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है, जिससे देश विश्व में कृषि उपज का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि हम निर्यातकों की मदद के लिए बीमा समर्थन जैसी कुछ नई योजनाएं विकसित करने पर भी विचार कर रहे हैं। इस बारे में ईसीजीसी और अन्य विभागों से चर्चा की जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि एक अंतर-मंत्रालयी समूह पश्चिम एशिया संकट से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। साथ ही निर्यातकों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा अब तक किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने भारतीय उत्पादों के लिए निर्यात के बड़े अवसर खोले हैं। गोयल ने कहा कि हम अब कनाडा के साथ एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके अलावा पश्चिम एशिया के छह देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ भी चर्चा शुरू हुई है। गोयल ने कहा कि यह सब कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सरकार उन निर्यातकों की मदद के उपाय तलाश रही है, जिनका माल भेजा जा चुका है, लेकिन मौजूदा हालात के कारण उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार चौबीसों घंटे हालात पर नजर रखे हुए है। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच लगातार जारी हमलों से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। यह संकट भारतीय निर्यातकों के लिए इस लिहाज से अहम है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया प्रमुख निर्यात बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष निर्यातकों में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए। भारत फिलहाल दुनिया का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक है।

## घरेलू महिलाओं के काम को राष्ट्रीय आय में शामिल करे सरकार : राधा मोहन दास अग्रवाल

लोकतंत्र की शान

**नई दिल्ली।** भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य सभा सांसद डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने सदन में शून्यकाल में महिलाओं के लिए प्रांसंगिक, सामाजिक एवम आर्थिक मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी जो हमारे समाज की निम्नतम इकाई परिवार की रीढ़ है और जो अपनी भूमिका अनेक किरदारों में अदा करती है मां, बेटी, पत्नी व महिला या अन्य रूपों में, महिलाएं घर और परिवार के लिए बहुत मेहनत करती हैं। लेकिन उनके काम का आर्थिक मूल्य नहीं माना जाता, यदि महिलाओं के इन घरेलू कार्यों का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए तो यह देश की अर्थव्यवस्था और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बड़ा योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए सरकार को चाहिए कि घरेलू महिलाओं के काम को राष्ट्रीय आय में शामिल करे और उन्हें न्यूनतम बुनियादी आय प्रदान करे। अतः महिलाओं को दया या सहानुभूति से नहीं, बल्कि सम्मान, अधिकार और उनके श्रम का उचित मूल्य मिलना चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### सत्रह वर्षों बाद फिर गन्ना पेराई करेगी कमलापुर चीनी मिल

**बकाया भुगतान को लेकर भी बनी सहमति**

**लोकतंत्र की शान : सीतापुर।** जिले की कमलापुर स्थित मेसर्स एन.आर. इन्फोकॉन प्राइवेट लिमिटेड की चीनी मिल करीब सत्रह वर्षों बाद पुनः गन्ना पेराई शुरू करने की तैयारी में है।वर्ष 2009 से बंद पड़ी इस चीनी मिल के पुनः संचालन को लेकर किसानों में उम्मीद जगी है। मिल प्रबंधन द्वारा आवश्यक लाइसेंस प्राप्त कर लिया गया है तथा मिल संचालन से सम्बन्धित समस्त कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। जिला गन्ना अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पेराई सत्र 2025 -26 के लिए मिल संचालन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही पूर्व वर्षों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में भी सहमति बन गई है। वर्ष 2006-07,2007 -08 एवं 2008-09 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के लिए मिल प्रबंधन ने लिखित सहमति दे दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी स्तर के अधिकारी जिला गन्नाधिकारी सहकारी गन्ना विकास समिति लि.कमला पुर तथा मिल प्रबंधन को शामिल करते हुए एक समिति गठित की गई है।यह समिति अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान की जांच कर किसानों को भुगतान सुनिश्चित कराएगी। मिल के पुनः संचालन से क्षेत्र के किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है।अनुमान है कि करीब पांच सौ लोगों को प्रत्यक्ष और डेढ़ हजार से दो हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। साथ ही क्षेत्र में लगभग पांच हजार हेक्टेयर भूमि पर गन्ना खेती को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। कमलापुर चीनी मिल के पुनः संचालन और बकाया भुगतान की सहमति से क्षेत्र के गन्ना किसानों में खुशी की लहर है।गन्ना विभाग के जिम्मेदारों ने बताया कि गन्ना विकास विभाग द्वारा किसानों के हित में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

### तेज रफ्तार अनियंत्रित डीसीएम ने ट्रैक्टर ट्राली को मारी टक्कर पलटी ट्राली, बाल बाल बचे चालक

**लोकतंत्र की शान : सीतापुर।** हरगांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत हरगांव दतेली मार्ग पर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डी सी एम ने ट्रैक्टर ट्राली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद सड़क पर ही टैक्टर ट्राली पलट गई जिसकी वजह से ट्राली में लदी बोरियां बिखर गईं। जिसके कारण सड़क पर यातायात अवरूद्ध हो गया। ईश्वरीय कृपा से दोनों गाडियों के चालकों की जान बाल बाल बच गयी। जानकारी के अनुसार जिले के हरगांव थाना अन्तर्गत हरगांव दतेली मार्ग पर ग्राम भटपुरवा के अंदर मंदिर के मोड पर मंगलवार को बाद दोपहर के एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डी सीएम यू पी 31ए टी 0677 ने माल भरी जा रही ट्रैक्टर ट्राली को जोर दार टक्कर मार्ग दी।जिससे दोनों गाडियों के चालकों की जान बाल बाल बच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची हरगांव पुलिस ने गाडियों को कब्जे में लेकर सड़क यातायात बहाल कराया।

### 30 ग्राम स्मैक व एक मोटरसाइकिल सहित दो को सीमा सुरक्षा बल व पुलिस ने किया गिरफ्तार

**लोकतंत्र की शान : मिहींपुरवा बहराइच/मोतीपुर** थाना क्षेत्र के सीमावर्ती बलाई गांव सीमा पर पुलिस एस एसबी की संयुक्त कार्रवाई में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 14 ग्राम व 16 ग्राम स्मैक तथा एक पैशन मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। भारत नेपाल के बॉर्डर पर पिलर संख्या 663 /01 ग्राम बलाई गांव के पास से चेकिंग के दौरान अमन सिंह पुत्र दीपू सिंह काजीपुरा थाना कोतवाली नगर बहराइच उम्र 26 वर्ष अर्श खान उर्फ अयान पुत्र मोहम्मद वसीम निवासी नाजिरपुरा थाना कोतवाली नगर बहराइच उम्र 21 वर्ष के पास से 14 ग्राम व 16 ग्राम (कुल 30 ग्राम स्मैक) तथा एक आदत पैशन मोटरसाइकिल नंबर Up40AB0279 के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

# होली का त्योहार आपस में प्रेम भाव सिखाता है : प्रदीप अग्रवाल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर** : रोटरी क्लब हसनपुर द्वारा हर्षोल्लास के साथ 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सदस्यों ने होली के उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला, बता ते चले कि रोटरी क्लब का होली मिलन समारोह कार्यक्रम रविवार को एक रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया था, इस मौके पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि होली आपस में प्रेम भाव को बढ़ाने का त्यौहार है। हमें अपने द्वारा किए गए सेवा कार्यों से समाज में समरसता का माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए, वही क्लब सचिव रोटेरियन अशोक आर्य ने कहा कि होली का त्योहार हमें आपसी भेदभाव भुलाकर प्रेम से रहने की प्रेरणा देता है,कार्यक्रम का कुशल संचालन क्लब ट्रेनर रोटेरियन अर्पण गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ फूलों की होली खेली गई तथा विभिन्न प्रकार के गेम भी खेले गए, वही कपल गेम में खुशबू एवं सौरभ बिनर रहे, अंत सभी ने सामूहिक भोज का आनंद लिया। इस अवसर पर रो० चंद्रसेन अग्रवाल, सतेंद्र त्यागी,आशुतोष अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,सागर अग्रवाल,योगेश चौहान,अभिषेक अग्रवाल,अंकित गुप्ता,अंकित,अग्रवाल, अमित गर्ग,सचिन कंसल,कुमरपाल सिंह, डॉ अक्षय नागर,मनोज अग्रवाल, आंचल अग्रवाल, सक्षम त्यागी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

### संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत प्रेम विवाह के बाद से चल रहा था गृहक्लेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

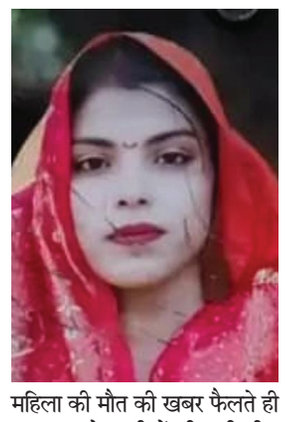

**हसनपुर।** कोतवाली क्षेत्र के गांव अल्लीपुर मिलक में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 23 वर्षीय विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर के भीतर जमीन पर पड़ा मिला। मृतका ने करीब सवा साल पहले प्रेम प्रसंग के चलते अपनी मर्जी से शादी रचाई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। प्राप्त विवरण के अनुसार, गांव अल्लीपुर मिलक निवासी सत्येंद्र सिंह ने अपनी पहली पत्नी बबीता के रहते हुए पड़ोसी गांव लुहारी खादर निवासी राखी (23 वर्ष) से प्रेम विवाह किया था। सत्येंद्र ने बताया कि पहली पत्नी बबीता इस शादी से नाराज न हो, इसके लिए उसने अपने हिस्से की करीब डेढ़ बीघा जमीन बबीता के नाम कर दी थी। इसी बात को लेकर राखी और सत्येंद्र के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। महिला की मौत की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस फिलहाल पति सत्येंद्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने घटना की सूचना राखी के मायके पक्ष को दी, फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या है या हत्या। क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

# बड़ी ही बरकतों का महीना है रमजान का महीना : शमशेर सैफी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुरः** तहसील क्षेत्र के ग्राम काला खेड़ा निवासी एवं वरिष्ठ समाजसेवी व भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने बताई रोजा रखने की फजीलत, उन्होंने कहा कि रोजा रखने से अपने शरीर का सदका ए जारिया होता है, और रोजा तमाम बीमारियों में भी शिफा देता है और रूहानी व जिस्मानी बीमारियों से महफूज रखता है, उन्होंने कहा कि रमजान का महीना सिर्फ इबादत का नहीं बल्कि जीवन को बेहतर बनाने का मौका भी होता है, इस पाक महीने में जरूरतमंदों की मदद करें गरीबों को खाना खिलाएं और अपने गुनाहों से तौबा करें, उन्होंने कहा कि इस रमजान अपने चाहने वालों को मुबारकबाद देकर उनके लिए भी इस महीने को खास बनाएं, वही शमशेर सैफी ने बताया कि रमजान इस्लाम धर्म का सबसे मुकद्दस महीना है जिसे बरकतों, रहमतों और मगफिरत का महीना भी कहा जाता है, यह सिर्फ एक इबादत का दौरा नहीं बल्कि अपने रूहानी सफर को मजबूत करने का भी मौका होता है, इस दौरान हर मुसलमान रोजा रखता है नमाज पढ़ता है कुरान पाक की तिलावत करता है और अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगता है, यह महीना हमें सब्र, शुक्र और नेकदिली की सीख देता है, इस दौरान लोग अपने दोस्तों परिवार और अपनों को दुआएं देते हैं उनकी भलाई की तमन्ना करते हैं और एक दूसरे को मुबारकबाद भेजते हैं, उन्होंने बताया कि इस पाक महीने में गरीबो, मजदूरों व मोहताजों की जितनी हो सके उतनी अधिक से अधिक मदद करनी चाहिए, बताते चलें कि शमशेर सैफी भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के अमरोहा जिले के जिला अध्यक्ष हैं, उन्होंने लोगों से संगठन से अधिक से अधिक जुड़ने की अपील भी की है।

# स्वास्थ्य विभाग ने चार अवैध अस्पताल की OT व एक एक्स-रे सेंटर किया सील

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर** : मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग ने नगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित हो रहे चार अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटर सील कर दिए, वहीं एक अस्पताल में अवैध रूप से संचालित एक्स-रे सेंटर को भी सील कर दिया, बता ते चले कि मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर धूर्वेंद्र सिंह के नेतृत्व में नगर में छापेमारी अभियान चलाया गया अभियान के दौरान डॉक्टर धूर्वेंद्र सिंह ने टीम के साथ नगर के विभिन्न अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अस्पतालों में बिना अनुमति और निर्धारित मानकों की अनदेखी कर ऑपरेशन थिएटर (OT) संचालित किए जा रहे थे, जिस पर कार्रवाई करते हुए टीम ने प्रेम हॉस्पिटल, मेरठ मेडिकल सेंटर, नर्सिंग होम, महाराणा हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया, इसके साथ ही मेरठ हेल्थ केयर सेंटर में अवैध रूप से संचालित हो रही एक्स-रे मशीन को भी मौके पर सील कर दिया, गया इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर धूर्वेंद्र सिंह ने स्पष्ट करते हुए कहा कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण और मानको के चल रहे क्लिनिको और अस्पतालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, उधर छापेमारी की खबर मिलते ही गली मोहल्ले में चल रहे अवैध क्लीनिक संचालक अपने क्लिनिको को बंद कर भाग गए।

# सीएम योगी को प्रस्तुत किया गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एयरोड्रम लाइसेंस

लोक तंत्र की शान

**लखनऊ।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से जारी एयरोड्रम लाइसेंस प्रस्तुत किया । इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हो गया है। इस लाइसेंस के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब नियामकीय स्वीकृतियों की अंतिम प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट का एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम इस समय ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। सुरक्षा से जुड़ी यह मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर औपचारिक उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समन्वय देखने को मिलेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन हैं। एयरपोर्ट का विकास चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता बढ़ाकर 3 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता 7 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

### सिखों के आनंद विवाह रजिस्ट्रेशन के लिए नई नियमावली को कैबिनेट ने दी मंजूरी

लोक तंत्र की शान

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सिख समुदाय के विवाह पंजीकरण को आसान बनाने के लिए "उत्तर प्रदेश आनंद विवाह रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2026" को प्रख्यापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सिख धर्म में प्रचलित 'आनंद कारज' विवाह के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए यह नियमावली लागू की जा रही है। यह व्यवस्था आनंद मैरिज एक्ट, 1909 (संशोधित 2012) की धारा-6 के तहत राज्य सरकार को प्राप्त अधिकारों के आधार पर बनाई गई है। साथ ही यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट में दायर रिट याचिका अमनजोत सिंह चड्ढा बनाम भारत संघ व अन्य में 4 सितम्बर 2025 को दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। नई नियमावली के तहत आनंद विवाह के पंजीकरण के लिए तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को रजिस्ट्रार, जनपद स्तर पर जिलाधिकारी को जिला रजिस्ट्रार, मंडल स्तर पर मंडलायुक्त को मंडलीय रजिस्ट्रार तथा राज्य मुख्यालय पर निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ को मुख्य रजिस्ट्रार नामित किया जाएगा। नियमावली के अनुसार विवाह के पक्षकार या उनके रिश्तेदार विवाह संपन्न होने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्धारित प्रारूप में 1500 रुपये के न्यायालय शुल्क स्टाम्प के साथ विवाह पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित समय के बाद भी आवेदन देने की व्यवस्था होगी, लेकिन इसके लिए नियमानुसार विलंब शुल्क देना होगा।

# राजपरापुर पंचायत में 'सरकारी धन के बंदरबांट' के आरोप

**» प्रधान के बेटे के खाते में भुगतान।मृतकों के नाम पर भी निकाली जा रही धनराशि**

लोक तंत्र की शान

**सीतापुरः** तहसील महमूदाबाद के ग्राम पंचायत राजपरापुर में सरकारी योजनाओं के धन को लेकर बड़ा घोटाला सामने आने के आरोप लग रहे हैं। IGRS पोर्टल पर दर्ज शिकायत के बावजूद मामले के निस्तारण पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि अधिकारियों ने बिना उसकी बात सुने ही जल्दबाजी में आख्या लगाकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की। ग्रामीणों के मुताबिक पंचायत में नियम-कायदों को ताक पर रखकर प्रधान ने अपने ही पुत्र के खाते में सरकारी भुगतान करवा दिया। गांव में चर्चा है कि पंचायत की योजनाएं अब विकास से ज्यादा 'अपनों को फायदा पहुंचाने' का जरिया बनती जा रही हैं। मामले और चौंकाने वाला होता जा रहा है कि पंचायत के रोजगार सेवक द्वारा कुछ भुगतान ऐसे लोगों के नाम पर भी कर दिए गए जो अब जीवित ही नहीं हैं। मृतकों के नाम पर सरकारी धन निकलने की बात सामने आने के बाद गांव में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे खेल में ग्राम पंचायत सचिव की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। बिना सचिव की जानकारी और हस्ताक्षर के कोई भुगतान संभव नहीं माना जाता, ऐसे में पूरे मामले में मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि कई बार शिकायत देने और जांच टीम गठित होने के बावजूद कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति की जा रही है। आरोप है कि ब्लॉक स्तर के कुछ अधिकारी भी पूरे मामले को दबाने में लगे हुए हैं ताकि सच्चाई बाहर न आ सके। ग्रामीणों का कहना है कि अगर आरोप सही हैं तो यह केवल एक पंचायत का मामला नहीं बल्कि सरकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार की एक बड़ी तस्वीर हो सकती है। लोगों का कहना है कि गरीबों और मजदूरों के हक का पैसा अगर इस तरह बांटा जा रहा है तो यह प्रशासनिक तंत्र पर भी बड़ा सवाल है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि क्या जिला प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करेगा, या फिर यह मामला भी शिकायतों और जांच रिपोर्टों की फाइलों में दबकर रह जाएगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पंचायतों में सरकारी धन की लूट पर लगाम लग सके ।

# त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री सख्त, कानून-व्यवस्था व व्यवस्थाओं पर विशेष सतर्कता के निर्देश

लोक तंत्र की शान

**लखनऊ :-** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगामी पर्व-त्योहारों, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था एवं प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 मार्च को अलविदा की नमाज, 14-15 मार्च को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा सब-इंस्पेक्टर एवं समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा, 19 मार्च से चैत्र नवरात्र तथा 20-21 मार्च को ईद-उल-फितर मनाए जाने की संभावना है। ऐसे में यह अवधि कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हों। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू करने की अनुमति न दी जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम के कारण आमजन को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि समाज-विरोधी अथवा राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 14 और 15 मार्च को प्रदेश के 1090 परीक्षा केंद्रों पर चार पालियों में परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 15 लाख 75 हजार से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के अन्य जिलों से आने की संभावना को देखते हुए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कहीं भी जाम या अव्यवस्था की स्थिति न बने।

## संक्षिप्त समाचार

### टी–20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ईशान किशन पहुंचे पटना, अपने भतीजे के साथ खेलते दिखे क्रिकेट

**लोकतंत्र की शान : पटना।** T-20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ईशान किशन मंगलवार को पटना पहुंचे हैं। पटना पहुंचते ही उनका स्वागत किया गया। एक बच्चे ने उन्हें माला पहनाया। ईशान किशन ने बच्चे को किस भी किया। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है कि हमारी इंडिया टीम जीती है। ये हमारे पूरे देश के लिए बहुत अच्छी बात है। हम उम्मीद करते हैं कि आगे ऐसे ही हम क्रिकेट खेलते रहे और जीतते रहे। अगर मैं अच्छा करूंगा तो यहां से जो भी युवा क्रिकेट में जाना चाहते हैं, उनके लिए एक मोटिवेशन होगा। मैं अपनी तरफ से हमेशा कोशिश करता हूं कि जितने प्लेयर हर जगह से बढ़ सकते हैं, वह बढ़े। अभी हम लोगों ने वर्ल्ड कप खेला है। आपको बस मेहनत करना है, कहीं से भी आप आगे बढ़ सकते हैं। आगे भी खेलते रहना है, जीतते रहना है। वहीं, अपने भतीजे के साथ क्रिकेट भी खेली। खुद बॉलिंग करते दिखे और भतीजा बेटिंग कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसे ही खेलते रहना है। ईशांन किशन हाईकोर्ट के वकील अजय ठाकुर के घर पहुंचे। अपने मौसेरी बहन वैष्णवी सिंह और उनके पति ऋत्विक ठाकुर की सड़क दुर्घटना में मौत होने के बाद परिवार वालों को सांत्वना देने आए हैं। टी–20 वर्ल्डकप फाइनल में ईशान किशन ने 24 बॉल पर 54 रन बनाया था। ईशान ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए थे। 16वें ओवर के 5वीं बॉल पर ईशान किशन आउट हो गए थे। टीम इंडिया की जीत के बाद ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीर सामने आई थी। इसमें वो ईशान को निहारती दिख रही थी।

### दूसरी शादी की तो मैं सुसाइड कर लूंगी, लिवइन रिलेशन में रहने के बाद थानेदार ने गर्लफ्रेंड को छोड़ा

**लोकतंत्र की शान : पटना।** सीतामढ़ी के एक थानेदार ने अपनी गर्लफ्रेंड को छोड़ दिया है। एक ऑडियो सामने आया है। उसके अनुसार दोनों 8 साल तक लिवइन रिलेशन में रहे। थानेदार पर आरोप है कि उसने लड़की को शादी का झांसा दिया था। लड़की को 7 मार्च को पता चला कि उसका बॉयफ्रेंड किसी दूसरी लड़की के साथ शादी कर रहा है। उसका तिलक हो चुका है। पीड़िता ने अपने बॉयफ्रेंड का फोटो उस लड़की के साथ देख लिया था। जिसके बाद लड़की ने विरोध जताया। लड़की का कहना है कि अगर शादी दूसरी जगह की तो मैं सुसाइड कर लूंगी। मुझे तुम्हारे साथ ही रहना है। वायरल ऑडियो 1 मिनट 49 सेकंड का है। इसमें छात्रा थानेदार से पूछ रही है कि तुमने अपनी मां से मेरी बात क्यों नहीं कराई। तुम छिप कर शादी क्यों कर रहे हो। मैंने उस लड़की की फोटो तुम्हारे साथ देख ली है। तब मुझे पता चल चुका है। नहीं तो मुझे पता भी नहीं चलता तुम वैसे ही मुझे रखे रहते। इसपर थानेदार कहता है कि ये सब छिपने वाली बात है क्या। छात्रा कहती है मैंने तुम्हें अपना 8 साल दिया है। वो लड़की तुम्हारे साथ नहीं रहेगी। मेरे साथ शादी नहीं करोगे तो मैं सुसाइड कर लूंगी। अब मुझे कोई मोह माया नहीं है। शास्त्री नगर थानेदार रविंद्र कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पीड़ित लड़की को थाने पर बुलाया गया है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

### राजेंद्रनगर हॉकी मैदान, नीदरलैंड से मंगाया एस्ट्रोटर्फ बिछाया जा रहा

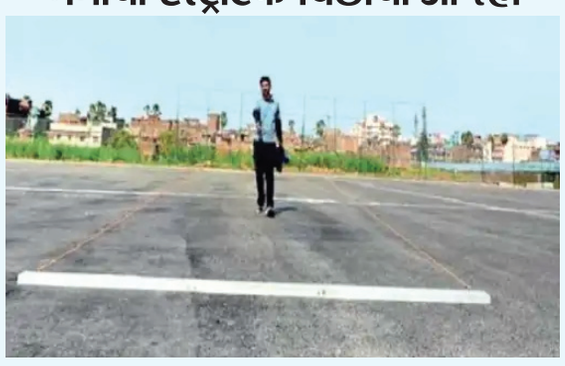

**लोकतंत्र की शान ; पटना।** राजेंद्र नगर स्थित एनसीसी कैंपस में बन रहे आधुनिक हॉकी टर्फ को हॉकी इंडिया फेडरेशन की आधिकारिक मंजूरी मिल चुकी है। बिहार अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बुडको) यह मैदान बना रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। करीब 8.44 करोड़ की लागत से बन रहे इस हॉकी टर्फ में नीदरलैंड से आयातित पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ बिछाया जा रहा है। यह खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सतह उपलब्ध कराएगा। मैदान में उन्नत जल प्रबंधन प्रणाली और अत्याधुनिक संरचना विकसित की जा रही है, जिससे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावना भी बढ़ेगी। फेडरेशन के अधिकारियों ने निर्माणाधीन मैदान का निरीक्षण किया। इसके बाद बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। नियमित स्थल निरीक्षण कर कार्य की वास्तविक स्थिति देखी जाए। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार मैदान का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बेस स्ट्रक्चर, एलईडी फ्लड लाइट व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली का काम लगभग समाप्त हो गया है। अब पाथ-वे, स्प्रिंकलर सिस्टम और टर्फ बिछाने का कार्य शेष है। मैदान में रात के समय अभ्यास और मैचों के आयोजन के लिए 20 उच्च क्षमता वाली 1000 वाट और 40 एलईडी फ्लड लाइट (500 वाट) लगाई जा रही है। 100 मीटर लंबे और 60 मीटर चौड़े खेल क्षेत्र वाले इस मैदान का फेंसिंग क्षेत्र 104 मीटर × 64 मीटर होगा। छोटे स्तर के मैचों के लिए करीब 25 दर्शकों की क्षमता वाली दर्शक दीर्घा भी बनाई जा रही है। राजगीर के बाद यह बिहार का दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी मैदान होगा, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का अवसर मिलेगा।

### वैशाली में बेकाबू ऑटो पलटी, 10 लोग घायलःशादी से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे यात्री

**लोकतंत्र की शान ; हाजीपुर।** वैशाली में एक बेकाबू ऑटो पलटने से 10 लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी यात्री एक शादी समारोह से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। घायलों में महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल हैं। हादसे के बाद घायलों को इलाज करने के बजाय दीवार की बाउंड्री पर लेटा दिया गया। अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं मिलने और स्वास्थ्य कर्मियों की कथित लापरवाही को लेकर घायलों ने आरोप लगाए हैं। घायलों में गिरिजा देवी (पति सीताराम पासवान), सोना देवी (पति जीतन पासवान), चिंता देवी (पति संजीत पासवान), सुलेखा देवी (पति कपल पासवान), चिनिया देवी (पति देवनारायण पासवान), मुनचुन देवी (पति बिरजू पासवान) और सत्यम कुमार (पिता चंदन पासवान) शामिल हैं। ये सभी वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के निवासी हैं। बिरजू पासवान के बड़े बेटे की शादी 13 मार्च को होनी थी, जिसके लिए परिवार के सदस्य और अन्य लोग गंगा स्नान करने जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल गिरिजा देवी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। एक घायल के पुत्र ने बताया कि वे शादी समारोह में शामिल होने आए थे और घर की महिलाएं गंगा स्नान के लिए जा रही थीं, तभी ऑटो पलट गया। ऑटो में आठ से दस लोग सवार थे, जो सभी दुर्घटना का शिकार हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया, जहां कथित तौर पर डॉक्टर डेढ़ घंटे से नदारद थे। घायलों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। सभी घायल दर्द से कराह रहे थे, किसी का हाथ टूटा था तो किसी का पैर, और किसी के सर में चोट लगी थी।

# भ्रांतियां टूटीं, बढ़ा भरोसाः महादलित बस्ती में 50 से अधिक लोगों ने किया फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन

लोकतंत्र की शान

**सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः** सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान जहां कई क्षेत्रों में लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है, वहीं कुछ जगहों पर भ्रांतियों और डर के कारण लोग दवा खाने से हिचकिचा रहे हैं। सहरसा जिले के महिषी प्रखंड अंतर्गत कुंदह पंचायत के प्राणपुर गांव स्थित महादलित बस्ती (मुसहर समुदाय) में भी शुरुआत में ऐसी ही स्थिति देखने को मिली, जब समुदाय के लोगों ने फाइलेरिया रोधी दवा खाने से इनकार कर दिया। समुदाय के बीच यह धारणा फैल गई थी कि दवा खाने से तबीयत खराब हो सकती है या इसके गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इन अफवाहों और डर के कारण बस्ती के अधिकांश लोग दवा लेने को तैयार नहीं थे। लेकिन स्वास्थ्य विभाग, कुंदह पंचायत के मुखिया पन्नालाल राम और जीविका समूह की महिलाओं की सामूहिक पहल से यह स्थिति बदल गई और लोगों ने दवा सेवन के महत्व को समझते हुए कार्यक्रम में भागीदारी दिखाई। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत वर्तमान में जिले में मॉप-अप राउंड का आयोजन किया जा रहा है। मॉप-अप राउंड के दौरान क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता ने देखा कि प्राणपुर की महादलित बस्ती में लोग दवा लेने से मना कर रहे हैं। आशा कार्यकर्ता ने तुरंत इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और पिरामल फाउंडेशन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद टीम ने सामुदायिक संवाद की रणनीति अपनाई। इस पहल में कुंदह पंचायत के स्थानीय मुखिया पन्नालाल राम, जीविका समूह की महिलाएं, शिक्षक और अन्य स्थानीय लोगों को भी शामिल किया गया। सभी ने मिलकर बस्ती के लोगों के साथ बैठक कर फाइलेरिया बीमारी, उसके कारण, लक्षण और बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

**मुखिया की अपील का असर, लोग हुए दवा सेवन के लिए सहमत-**पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि के रूप में स्थानीय मुखिया ने समुदाय के लोगों से सीधे संवाद करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और सरकार द्वारा लोगों को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए दी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और दवा का सेवन कर अपने तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करें।

**घर-घर संवाद से जीविका दीदियों ने दूर की भ्रांतियां-**इस अभियान को सफल बनाने में जीविका दीदियों की भूमिका भी काफी अहम रही। जीविका समूह की महिलाओं ने घर-घर जाकर लोगों से बातचीत की और उन्हें सरल भाषा में समझाया कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिससे बचाव के लिए दवा का सेवन जरूरी है। उनके समझाने से महिलाओं और परिवारों में विश्वास बढ़ा और धीरे-धीरे लोग दवा लेने के लिए तैयार होने लगे।

**भ्रांतियों पर जागरूकता की जीत-**सामुदायिक सहयोग और लगातार संवाद का ही परिणाम था कि अंततः बस्ती के लगभग 50 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य कर्मियों के समक्ष फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन किया। इस पहल ने न केवल एक बस्ती में फैली भ्रांतियों को दूर किया, बल्कि यह भी साबित किया कि यदि समुदाय को साथ लेकर काम किया जाए तो स्वास्थ्य संबंधी किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। प्राणपुर गांव की यह पहल पूरे अभियान के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है। इससे यह संदेश गया है कि पंचायत प्रतिनिधियों, जीविका समूह और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयास से समुदाय में जागरूकता बढ़ाई जा सकती है और स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावी बनाया जा सकता है। यह मॉडल अन्य गांवों और बस्तियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

## राजेंद्र सेतु के नीचे अज्ञात शख्स की मिली लाश, बॉडी पर नहीं मिले चोट के निशान

### शख्स ने पहना था ब्लू-ब्लैक टी-शर्ट और काला ट्राउजर

लोकतंत्र की शान , पटना

मोकामा के हाथीदह थाना क्षेत्र में राजेंद्र सेतु के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। हाथीदह थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने तत्काल अपर थानाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वर्मा के नेतृत्व में एक टीम घटनास्थल पर भेजी। पुलिस टीम को शव राजेंद्र सेतु के पिलर संख्या-2 के पास पड़ा मिला। पुलिस ने तत्काल आसपास के क्षेत्र को बैरिकेड कर सुरक्षित किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया।

मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं, जिससे मामला पेचीदा हो गया है। पुलिस के अनुसार, शख्स ने काले रंग का ट्राउजर और ब्लू-ब्लैक टी-शर्ट पहन रखी थी और उसके पैरों में सेफ्टी शू थे।

**पुलिस शख्स की पहचान में जुटीः** तथ्यों के आधार पर पुलिस आशंका जता रही है कि मृतक आसपास के किसी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में काम करने वाला मजदूर हो सकता है। पुलिस की एक अन्य आशंका यह भी है कि व्यक्ति संभवतः रेल ट्रैक के आसपास से या किसी ट्रेन से गिर गया हो। हालांकि, शरीर पर बाहरी चोट के निशान न मिलने से यह संभावना पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने की कोशिश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है, जिससे मौत के कारणों का पता चल सके।

## कोशी महोत्सव 2026 का आगाज 13 मार्च से, सहarsa स्टेडियम मैदान में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान

**सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः** पर्यटन विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन, सहरसा के संयुक्त तत्वावधान में 13 एवं 14 मार्च 2026 को सहरसा स्टेडियम मैदान में कोशी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दो दिवसीय महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकगीत, नृत्य और प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी। महोत्सव का उद्घाटन 13 मार्च को माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, बिहार सरकार द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है। जिला प्रशासन द्वारा महोत्सव को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार, महोत्सव के पहले दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, वहीं दूसरे दिन प्रसिद्ध कलाकारों की विशेष प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 5 बजे से शुरू होगा। महोत्सव का उद्देश्य कोशी क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा देना तथा पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर सुरक्षा, यातायात और व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि आने वाले दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

## गिरिराज बोले, राहुल गांधी छोटा पजामा क्यों पहनते हैं, कांग्रेस ने मोदी को हाफ पैंट में दिखाया

लोकतंत्र की शान , पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के पहनावे पर तंज कसा था। वीडियो में राहुल गांधी संसद परिसर में दिख रहे हैं। गिरिराज ने वीडियो पर लिखा था राहुल गांधी इतना छोटा पजामा क्यों पहनते हैं। इस पर एक यूजर ने लिखा आपको बकैती के अलावा शायद कुछ आता हो, शर्म धोकर पी गए हैं। इसके अलावा बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने गिरिराज सिंह के पोस्ट को रिट्वीट किया है। राजेश राम ने नरेंद्र मोदी की फोटो पोस्ट की, जिसमें नरेंद्र मोदी हाफ पैंट में दिख रहे हैं, जो कि आरएसएस का एक प्रमुख ड्रेस है।

राजेश राम ने भी मोदी जी के पजामे का साइज पूछ लिया। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा इसका भी साइज बता दीजिए गिरीराज सिंह जी। यह तस्वीर काफी पुरानी है जिसे उन्होंने पोस्ट किया है।

**बेगूसराय में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगवा दोः** गिरिराज सिंह के पोस्ट पर यूजर प्रणव ने लिखा है कि बेगूसराय में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगवा दो, पजामा बड़ा बन जाएगा। इतनी बार एमपी रह चुके हैं, शर्म नहीं आती। यूजर चौधरी संजीव ने लिखा है कि वाह कितना आवश्यक मुद्दा उठाया है आपने। देश में इससे बड़ा मुद्दा हो ही नहीं सकता। न बेरोजगारी, न भ्रष्टाचार, न शिक्षा और न स्वास्थ्य। सबसे जरूरी मुद्दे पर आपकी पारखी नजर राहुल गांधी का पजामा।

**झटका सिंह, बिहार में मशीनें लगवाइएः** यूजर मोहित सिंह ने लिखा झटका सिंह जी, बिहार में मशीनें लगवाइए और धागे सुलझाइए! एक शानदार टेक्सटाइल पार्क खड़ा करके राहुल गांधी के लिए ऐसी फुल पैंट तैयार करें कि फिटिंग देख कर विरोधी भी दंग रह जाएं।

**❐ यूजर बोले- आपको बकैती के अलावा कुछ आता है**

## बेगूसराय-जहानाबाद में बादल, 20 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बेगूसराय और जहानाबाद में आज यानी मंगलवार सुबह हल्के बादल छाए हैं, जबकि नालंदा में धुंध है। बिहार के 20 जिलों में आज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र की माने तो अगले 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवा, बादल और हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 40KM/H की स्पीड से हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने, खुले स्थानों से दूर रहने और बिजली गिरने की स्थिति में सुरक्षित जगहों पर रहने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पटना समेत कई जिलों में हल्के बादल छाए रहे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे मुख्य वजह पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना है। पश्चिमी विक्षोभ मध्य सागर के आसपास के क्षेत्रों से उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में एक्टिव हो रहा है। इसके प्रभाव से हिमालयी क्षेत्रों में बादल, बारिश और बर्फबारी होती है। जिसका असर मैदानी इलाकों के मौसम पर भी पड़ता है।

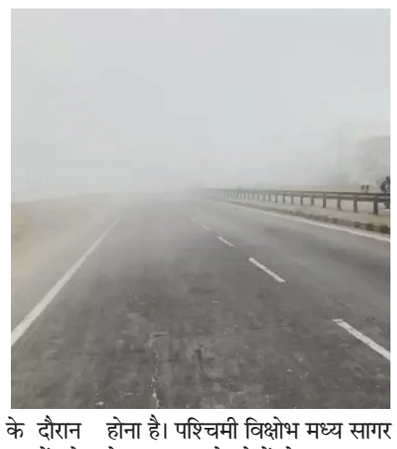

## एमएलए-एमएलसी के साथ तेजस्वी ने की मटन पार्टी

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में 5 सीटों पर राज्यसभा चुनाव होने वाला है। NDA ने पांचों सीटों पर जीत का दावा किया है। हालांकि, राजद ने अपने एक कैंडिडेट को खड़ा किया है। इसको लेकर राजद इंडिया गठबंधन के सभी विधायकों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को अपने आवास पर बैठक की। बैठक के जरिए मटन पार्टी की है। इस बैठक में बीएसपी और AIMIM के विधायकों को भी बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे हैं। हालांकि, तेजस्वी ने सहयोगी दलों के साथ बैठक कर चुनाव पर चर्चा की।

मिली जानकारी के अनुसार, तेजस्वी ने सभी विधायकों को निर्देश दिया है कि मतदान के दिन सभी दलों के विधायकों को समय पहुंचना है। मतदान में किसी तरह की चूक ना हो। राज्यसभा चुनाव में एक एक वोट कीमती है। वहीं, राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'राज्यसभा चुनाव को लेकर बैठक हो रही है। राजद उम्मीदवार के पास संख्या बल पूरी है। हमारे पास 41 विधायक हो चुके हैं। हम चुनाव जीत रहे हैं। AIMIM के समर्थन पर कहा सभी साथ आएंगे। निर्विरोध के बजाए चुनाव होने पर भाई वीरेंद्र ने कहा, देश चलाने वाले लोग जिंदा चमड़े का सप्लायर हो गए हैं।

**राज्यसभा चुनाव को लेकर की बैठक, भाई वीरेंद्र बोले- सब एकजुट, हम जीतेंगे**

## बुजुर्गों का नहीं हो रहा घर-घर इलाज

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार सरकार की बुजुर्गों को घर बैठे इलाज देने की 'डोर स्टेप हेल्थकेयर' योजना फिलहाल कागजों तक ही सीमित है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को घर पर ही नर्सिंग सेवा, ईसीजी, ब्लड टेस्ट और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों को अस्पतालों के बार-बार चक्कर लगाने से बचाना है। हालांकि, राजधानी के बड़े सरकारी अस्पतालों की स्थिति इन दावों से अलग है। आईजीआईएमएस, पीएमसीएच और एनएमसीएच जैसे अस्पतालों में बड़ी संख्या में बुजुर्ग मरीज सुबह से ही ओपीडी की लंबी कतारों में इलाज का इंतजार करते दिखे।

पीएमसीएच में लंबी भीड़, चक्कर लगा रही हूं लखीसराय से आईं 67 वर्षीय मारो देवी

पीएमसीएच में इलाज के लिए पहुंची। मारो देवी ने बताया कि मुझे पिछले कई महीनों से पेशाब में तकलीफ है। चार महीने से अलग-अलग अस्पतालों का चक्कर लगा रही हूं। सोमवार सुबह वह पीएमसीएच पहुंची, लेकिन यहां भी लंबी भीड़ है। डॉक्टर के पास जाने के लिए इंतजार करना पड़ रहा आईजीआईएमएस पहुंची 70 वर्षीय धर्मपति देवी ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे से ही अस्पताल में अलग-अलग काउंटरों का चक्कर लगा रही हूं। काफी देर बाद किसी तरह पर्ची कटवा पाई हूं। और अब डॉक्टर के पास जाने के लिए ओपीडी में इंतजार करना पड़ रहा। इलाज हो पाएगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है।

**◆ 'डोर स्टेप हेल्थकेयर' योजना के बाद भी अस्पताल के चक्कर काट रहे मरीज, काउंटर पर रहती लंबी लाइन**

**एक विभाग से दूसरे विभाग पैदल जाना मुश्किल हैः** पटना के रहने वाले 65 वर्षीय विष्णु देव राय अपनी पत्नी और बेटी के साथ पीएमसीएच इलाज के लिए पहुंचे। चलने फिरने में असमर्थ उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग तक पैदल जाना मुश्किल हो रहा था। उनकी बेटी उन्हें सहारा देकर विभिन्न काउंटरों तक ले जा रही थी।

**500 बेड का अस्पताल शुरू होते ही व्यवस्था शुरू होगीः** पीएमसीएच के अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि व्यवस्था को जल्द ही धरातल पर लाया जाएगा, बुजुर्गों को एक छत के नीचे इलाज की सारी सुविधाएं दी जाएगी। सितंबर तक अस्पताल में सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 500 बेड का अस्पताल शुरू होते ही बुजुर्गों के लिए विभाग की व्यवस्था जल्द की जाएगी ताकि उन्हें भटकना न पड़े। डॉक्टर की कमी के कारण अलग से ओपीडी शुरू नहीं वहीं. एनएमसीएच में जेरियाट्रिक विभाग में फिलहाल केवल एक डॉक्टर ही कार्यरत हैं। इसके कारण अलग से ओपीडी शुरू नहीं हो सकी है। मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने बताया कि अभी बुजुर्ग मरीजों को मेडिसिन विभाग के तहत ही देखा जा रहा है। बाद में अतिरिक्त चिकित्सकों की नियुक्ति होने पर अलग ओपीडी शुरू की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### यमुनानगरः पार्क की झील में मिला व्यक्ति का शव, पर्यटन विभाग में कुक के रूप में कार्यरत था मृतक

**लोकतंत्र की शान : यमुनानगर।** यमुनानगर स्थित ओपी जिंदल पार्क की झील से मंगलवार को एक व्यक्ति का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान यमुनानगर निवासी 57 वर्षीय श्याम लाल के रूप में हुई है, जो पर्यटन विभाग में कुक के पद पर कार्यरत था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार श्याम लाल सोमवार शाम अपनी ड्यूटी से घर लौटने के बाद रोजाना की तरह टहलने के लिए ओपी जिंदल पार्क गए थे। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिवार के सदस्य पूरी रात विभिन्न स्थानों पर उनकी तलाश करते रहे। मंगलवार सुबह परिजन उन्हें खोजते हुए ओपी जिंदल पार्क पहुंचे। वहां झील के किनारे श्याम लाल के जूते पड़े मिले। जूते मिलने के बाद परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने तत्काल गोताखोरों तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों ने झील में तलाश अभियान चलाया और कुछ समय बाद पानी से श्याम लाल का शव बाहर निकाला गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने झील के पानी का नमूना भी जांच के लिए लिया है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार श्याम लाल दो बच्चों के पिता थे और लंबे समय से पर्यटन विभाग में कार्यरत थे। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

### झज्जर : केरल स्टोरी-2 देख बेटियों ने लिया जेहादियों से दूर रहने का संकल्प

**लोकतंत्र की शान : झज्जर।** बहादुरगढ़ के एक मल्टिप्लेक्स में मंगलवार को धर्म जागरण मंच के सौजन्य से 335 बहन-बेटियों ने केरल स्टोरी-2 फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद इन युवतियों ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी से बहुत अच्छी सीख मिली है और वे जेहादियों से न केवल खुद जागरूक रहेंगी बल्कि दूसरी युवतियों व बेटियों को भी जागरूक रहने के लिए हमेशा प्रयास करती रहेंगी केरल स्टोरी-2 शो के इंटरवल के समय कई बहनों ने अपने विचार रखे। उन्होंने बेटियों को बताया कि आपके जीवन में माता-पिता और परिवार से ज्यादा ख्याल रखने वाला कोई नहीं हो सकता। यह बेहद चिंता और शर्म की बात है कि जिहादी आपकी मान मर्यादा और असमत को लूट रहे हैं। धर्म जागरण मंच जिला झज्जर के सह संयोजक नीरज वत्स, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बहादुरगढ़ के नगर कार्यवाह नागेंद्र लाकड़ा व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अजीत आनंद ने भी जेहादी मानसिकता के बारे बेटियों को जागरूक किया। नीरज वत्स ने साफ शब्दों में कहा कि इन जेहादी मानसिकता के लोगो से मेलजोल व व्यापार बंद करना चाहिए। ये लोग खाने व जूस में थूकते व पेशाब तक करते पाए जाते हैं। आतंकवादी घटनाओं में भी इन्हीं लोगों का हाथ होता हैं। फिल्म खत्म होने के बाद बहनों ने सभी का बहुत धन्यवाद किया। कई माताओं ने सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया कि बेटा आप सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हो। नीरज वत्स जी ने कहा भगवान हमें इतनी शक्ति दे कि हम निरंतर इसी तरह से अपने समाज और अपनी बहनों को जागरते करते रहें। सभी बेटियों को फिल्म दिखाने का खर्च हेमंत वत्स, मोंटी, रोहित वर्मा, मुकेश, गौरव सोनी, दीपक सोनी, नरेश भारद्वाज, कमल सैनी, संजीव शर्मा, जतिन बंसल, सुरेंद्र चुघ, अजीत ढाका, डॉ. अजीत आनंद, संतोष, श्रीराम स्पोर्ट्स, परमजीत, राजेश सांखोल, कुलदीप गुप्ता, गणेश, रोहन व नवीन ने वहन किया।

### राजस्थान के बाड़मेर में पारा 40 डिग्री पार, चार जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट

**लोकतंत्र की शान : जयपुर।** राजस्थान में गर्मी लगातार तेज होती जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 10 और 11 मार्च को जैसलमेर, बाड़मेर समेत चार जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकांश शहरों में मौसम साफ रहा और दिनभर तेज धूप रही। बाड़मेर सोमवार को प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं पिलानी में तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी जयपुर में भी गर्मी लगातार बढ़ रही है। सोमवार को जयपुर का अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस मापा गया। दिनभर तेज धूप के बाद देर शाम तक गर्मी का असर बना रहा। यहां हवा में नमी (ह्यूमिडिटी) का स्तर भी घटकर करीब 30 प्रतिशत रह गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फरवरी में उत्तर और मध्य भारत में सामान्य से कम बारिश हुई, जिससे जमीन तेजी से गर्म हो रही है। पश्चिम और मध्य भारत के ऊपर इस समय एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिसके कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले एक सप्ताह में प्रदेश के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि हो सकती है।

### फायरिंग और हुड़दंग मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार, 4 पहले ही जा चुके हैं जेल

**लोकतंत्र की शान : हरिद्वार।** थाना सिडकुल क्षेत्र में ग्राम प्रधान के घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और फायरिंग करने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पहले ही चार आरोपित जेल भेजे जा चुके हैं, जबकि अन्य फरार आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार 5 मार्च को प्रमोद पाल ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया था कि राजीव और उसके साथियों ने लाठी-डंडों और तलवारों से लैस होकर उसके घर में घुसकर उसके और परिजनों के साथ मारपीट की। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए तमंचे से फायर भी किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। इसी क्रम में सिडकुल थाना पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल फरार आरोपी शिवा गोस्वामी पुत्र सुनील कुमार गिरी निवासी मुल्की नगर, थाना सिडकुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपित का चालान कर दिया है।

# नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए प्रचार वाहन को किया रवाना

लोकतंत्र की शान

**» जिला न्यायालय सीधी एवं सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को,**

**सीधी।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयागलाल दिनकर द्वारा 14 मार्च, 2026 को होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन रवाना किया गया। इन प्रचार वाहन द्वारा पम्पलेट्स एवं फ्लैक्स बैनरों के माध्यम से जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नेशनल लोक अदालत एवं विद्युत विशेष छूट का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री प्रयाग लाल दिनकर ने बताया कि नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय के साथ तहसील न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन, एवं मझौली में आयोजित की जाएगी। इसमें राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, भरण पोषण, के लंबित प्रकरण एवं बैंक संबंधी, नगर पालिका, विद्युत विभाग, दूरसंचार के प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सुलह के आधार पर नियमानुसार छूट देते हुए निराकरण किया जाएगा। उक्त प्रकरणों में उभय पक्ष के मध्य सुलह चर्चा कर प्रकरणों का राजीनामा के आधार पर निराकरण किया जाएगा। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किये जाने का आव्हान किया। आयोजित कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री दीपक शर्मा, विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री यतीन्द्र कुमार गुरू, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री कपिल देव काछी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री मृदुल लटौरिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अभिषेक साहू, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, सचिव अधिवक्ता संघ श्री रवीन्द्र कुमार गौतम, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफ एलएडीसीएस श्री बाबूलाल सिंह, असिस्टेंट एलएडीसीएस श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, असिस्टेंट एलएडीसीएस श्री देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, असिस्टेंट एलएडीसीएस श्री ऋषभ सिंह कार्यपालन यंत्री एमपीईबी श्री जनमेजय सिंह एवं श्री मनबहोर पटेल कार्यालय सहायक श्रेणी 02, पैनल लायर्स, अधिवक्तागण, न्यायालय के कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## पैंतिस 35 लेखिकाओं, कवयित्रियों, शायराओं को "मन की उड़ान साहित्य गौरव सम्मान -2026 "से किया गया अलंकृत

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

मन की उड़ान साहित्यिक संस्था करनाल, हरियाणा द्वारा अपना 21 वां साहित्यिक कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के रूप में एम डी डी बाल भवन सभागार में आयोजित किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री अंजु शर्मा ने की, मुख्य अतिथि रेशमा कल्याण लेखिका व कवयित्री धर्मपत्नी हरविंदर कल्याण विधानसभा अध्यक्ष हरियाणा रही, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अजय गोयल,वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.महावीर प्रसाद शास्त्री, कवयित्री अंजु चौधरी अनु, कवयित्री रचना गोयल, कवयित्री डॉ सुमेधा सिंह, कवयित्री शकुंतला काजल शकुन रही, विशेष अतिथि शायरा डॉ. उर्मिल कौशिक सखी व शायरा डॉ. निर्मल आर्य,एम डी डी बाल भवन से संस्थापक पी आर नाथ, परमिंदर पाल सिंह व सुरेन्द्र सिंह मान रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना से की गई।

## ढीमरखेड़ा रेंज में वन सुरक्षा समिति खंदवारा की बैठक में वन संरक्षण पर जोर

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

**कटनी ।** वन मंडल के अंतर्गत ढीमरखेड़ा रेंज में स्थित खंदवारा गांव में दिनांक 9 मार्च 2026 को वन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेंज अधिकारी ढीमरखेड़ा सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में वन सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ वन संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। रेंज अधिकारी ने ग्रामीणों को वन्यप्राणियों की सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जंगलों में रहने वाले जीव-जंतुओं का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके साथ ही महुआ संग्रहण के दौरान पेड़ों के नीचे आग न लगाने की अपील की गई। अधिकारियों ने बताया कि महुआ के नीचे आग लगाने से जंगल में भीषण आग लगने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे वन संपदा और वन्यजीवों को भारी नुकसान हो सकता है। बैठक में जंगल क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण को रोकने तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी देने के लिए मुखबिर तंत्र को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा संयुक्त वन प्रबंधन समिति (JFMC) की भूमिका, ग्राम स्तर पर वन संरक्षण में समुदाय की भागीदारी और जंगलों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया। अंत में समिति सदस्यों ने वन विभाग के साथ मिलकर जंगलों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

## जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरणः एसपी सीधी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की व्यथा, लंबित प्रकरणों पर की सख्ती

लोकतंत्र की शान

**सीधी।** आमजन की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके त्वरित निराकरण के लिए सीधी पुलिस की प्रतिबद्धता निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सुदूर अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी के समक्ष रखा।

**जनसुनवाई की मुख्य बिंदुः-** संवेदनशील सुनवाईः- पुलिस अधीक्षक ने सभी फरियादियों से व्यक्तिगत संवाद किया। आज की सुनवाई में मुख्य रूप से भूमि विवाद, आर्थिक धोखाधड़ी, और पारिवारिक विवादों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। एसपी ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को समय-सीमा के भीतर निराकरण के स्पष्ट निर्देश दिए।

**लंबित मामलों की समीक्षाः-** जनसुनवाई के दौरान पिछले कुछ हफ्तों में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिन प्रकरणों में कार्रवाई धीमी पाई गई, उन पर संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

**डिजिटल मॉनिटरिंगः** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) के माध्यम से जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (SDOP) और थाना प्रभारियों को जोड़कर शिकायतों का ऑनलाइन सत्यापन किया गया। इससे फरियादियों को अपने ही क्षेत्र में तत्काल राहत मिलने की प्रक्रिया सुगम हुई है।

**प्रशासनिक उपस्थितिः-** जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव के साथ निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहेः

**एसडीओपी चुरहट श्री रवि प्रकाश कौल**

निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय (थाना प्रभारी, कोतवाली)

निरीक्षक रीता त्रिपाठी (थाना प्रभारी, महिला थाना)

निरीक्षक अरुणा द्विवेदी (थाना प्रभारी कुसमी )

उनि. वर्षा यादव (थाना जमोड़ी)

उनि. पुष्पेंद्र सिंह (चौकी प्रभारी, सिहावल)

पुलिस अधीक्षक का संदेशः- "जनसुनवाई महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता और पुलिस के बीच भरोसे का सेतु है। मेरा स्पष्ट निर्देश है कि थाने स्तर पर ही समस्याओं का समाधान होना चाहिए ताकि आम आदमी को जिला मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें। कानून के दायरे में रहकर हर पीड़ित को न्याय दिलाना हमारा संकल्प है।"

— श्री संतोष कोरी, पुलिस अधीक्षक, जिला सीधी

## फरीदाबाद : बुजुर्ग-दंपती ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

लोकतंत्र की शान

**फरीदाबाद।** फरीदाबाद के न्यूटाउन रेलवे स्टेशन पर एक बुजुर्ग दंपत्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवा दिया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है । जीआरपी जिले भर के थानों को सूचना देकर उनकी पहचान कराने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम एक बुजुर्ग दंपत्ति न्यूटाउन रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। दोनों कुछ देर तक प्लेटफार्म नंबर-1 पर टहलते हुए नजर आए। इसी दौरान ऋषिकेश से पुरी जाने वाली 18478 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस स्टेशन से गुजर रही थी। ट्रेन के पास आते ही दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और अचानक ट्रेन के आगे छलांग लगा दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। जांच अधिकारी धनीराम ने बताया कि मृतक पुरुष की उम्र करीब 60 वर्ष के आसपास है। उसने लाल-सफेद रंग का लाइनदार कुर्ता और स्लेटी रंग की पैंट पहन रखी थी। वहीं जांच अधिकारी रूक्मणी के अनुसार मृतक महिला ने मैरून रंग का सलवार-सूट पहना हुआ था और उसके पास सफेद रंग की चुन्नी मिली है। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।आरपीएफ के जांच अधिकारी एएसआई धर्मवीर ने मंगलवार को बताया कि ट्रैक पर शव पड़े होने के कारण कलिंग उत्कल एक्सप्रेस करीब 25 मिनट तक मेन लाइन पर खड़ी रही। जीआरपी द्वारा शवों को ट्रैक से हटाने के बाद शाम करीब साढ़े पांच बजे ट्रेन को मथुरा की ओर रवाना कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों मृतकों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

## मधु रोग से सूख रहे आम के सरसई, किसान चिंतित

लोकतंत्र की शानः जय सिंह

**सीधी ।** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जय सिंह चौहान राजू ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि जिले में इस साल आम की फसल पर मधुरोग का कहर देखने को मिल रहा है। किसान परेशान हैं क्योंकि उनके आम के पेड़ों में खासकर सरसई किस्म के फल सूखने लगे हैं।श्री सिंह का कहना है कि मधुरोग के कारण पेड़ों की पत्तियां झड़ रही हैं और फल छोटे आकार में ही बेकार हो रहे हैं। इससे उनकी आम की पैदावार और आमदनी दोनों पर गंभीर असर पड़ेगा।उनका कहना है कि मेरी जानकारी अनुसार अभी तक कृषि विशेषज्ञों द्वारा रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने पर तुरंत उपचार रोगनाशक का छिड़काव आदि किये जाने की सलाह नहीं दी गई है,ताकि नुकसान को कम किया जा सके। इस संबंध में श्री सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग से मदद की अपील की है ताकि किसान समय पर उचित उपचार और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

## कटनी पुलिस द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

**कटनी** – नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को प्रत्यक्ष रूप से सुनने तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 10 मार्च 2026 को प्रातः 12:00 बजे पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा प्रत्येक प्रकरण में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त 15 शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न एवं थानों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधिकारियों ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बात सुनी और निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए।

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रम्प बोले- ऑस्ट्रेलिया ईरान की महिला खिलाड़ियों को दे शरण, वापस भेजना बड़ी गलती

वॉशिंगटन/कैनबरा। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया से अपील की है कि वह ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को शरण दे। ट्रम्प का कहना है कि यदि इन खिलाड़ियों को वापस इरान भेजा गया तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह मामला उस समय सामने आया जब ऑस्ट्रेलिया में महिला एशियन कप के दौरान ईरानी टीम से जुड़ा विवाद सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद ईरानी महिला टीम ने मैच से पहले राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसे सरकार के खिलाफ विरोध के रूप में देखा गया। इसके बाद ईरान के कुछ मीडिया मंचों पर खिलाड़ियों की आलोचना की गई और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि यदि खिलाड़ियों को ईरान लौटाया गया तो उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है और उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने इसे एक संभावित मानवीय संकट बताते हुए ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने का आग्रह किया। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया इन खिलाड़ियों को आश्रय देने के लिए तैयार नहीं होता है तो अमेरिका उन्हें शरण देने के लिए तैयार है। इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

### काठमांडू सहित नेपाल का अधिकांश हिस्सा वायु प्रदूषण की चपेट में

**काठमांडू**। नेपाल के विभिन्न हिस्सों में वायु प्रदूषण के स्तर में हाल के दिनों में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका कारण प्रतिकूल मौसम है। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाने वाले सूक्ष्म कणों की सांद्रता कई क्षेत्रों में बढ़ गई है। खासकर काठमांडू और पोखरा जैसे बड़े शहरों और तराई क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में प्रदूषण का स्तर अधिक है। वन तथा वातावरण मंत्रालय के तहत पर्यावरण विभाग ने मंगलवार को जनता से अपील की है कि वे वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए सावधानी बरतें। जारी किए गए एक संदेश में विभाग ने नागरिकों से उच्च प्रदूषण वाले समय में बाहर निकलते समय मास्क पहनने का अनुरोध किया है। इसके अलावा वाहन मालिकों को अपने वाहनों का नियमित रखरखाव करने की सलाह दी गई और लोगों से कचरा और कृषि अवशेषों को जलाने से बचने का आग्रह किया गया। विभाग ने इसके अलावा जनता से वन आग न लगाने और यदि आग लग जाए तो उसे तुरंत बुझाने के प्रयास करने का आग्रह किया। निर्माण गतिविधियों को इस तरह किया जाना चाहिए कि धूल का उत्सर्जन न्यूनतम हो, जबकि उद्योगों को सरकार द्वारा निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पूरी तरह पालन करना अनिवार्य है। विभाग के महानिदेशक ज्ञान राज सुवेदी ने जोर देते हुए कहा कि वायु प्रदूषण में प्रभावी कमी केवल जिम्मेदार एजेंसियों और जनता के सहयोग और सकारात्मक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदूषण के स्तर सुबह और शाम के समय अधिक रहते हैं। विभाग के अनुसार ठंडी परिस्थितियां विभिन्न स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषकों को वातावरण में फैलने से रोकती हैं। साथ ही पिछले कुछ हफ्तों में लगातार वर्षा का अभाव भी इस मौसम में वायु गुणवत्ता को और खराब करने का कारण बना है।

### गुजरात-महाराष्ट्र और राजस्थान के 14 शहरों में टेम्परेचर 40°C पार, एमपी के इंदौर में रनवे का डामर पिघला

**नई दिल्ली/श्रीनगर/शिमला/मुंबई/भोपाल**। मार्च के दूसरे हफ्ते तक देश के उत्तरी-मैदानी इलाकों में तेज गर्मी पड़ने लगी है। राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के 14 शहरों में सोमवार को पारा 40 से 41 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। इनमें राजकोट, सुरेंद्रनगर, न्यू कांडला, अहमदाबाद, डीसा, केशोड, गांधीनगर, सूरत, अमरेली, अकोला, बरौडा, भुज, बाड़मेर और कांडला शामिल हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और महाराष्ट्र के विदर्भ में लू चलने लगी है। देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 5°C या 12°C ज्यादा पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में गर्मी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे का डामर पिघल गया। इसके कारण 2 फ्लाइट्स को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और शुष्क हवाएं और साफ आसमान के कारण ही तापमान बढ़ रहा है। तेज सोलर रेडिएशन के कारण जमीन तेजी से गर्म हो रही है। अगले दो-तीन दिन तापमान में और बढ़ोतरी की आशंका है। मंगलवार को बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरल में बारिश का अलर्ट है। नगालैंड के कोहिमा, दीमापुर, सेमिन्यू और वोखा समेत कई जगहों पर सोमवार को भी करीब 40 मिनट तक बारिश-ओलावृष्टि हुई। IMD के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ मंगलवार को जम्मू-कश्मीर इलाके में पहुंचने वाला है। इसके चलते 13 से 15 मार्च के बीच कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में तापमान में 2°C से 3°C तक घट सकता है।

### कोलकाता पोर्ट के ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी

**नई दिल्ली**। केंद्र सरकार ने कोलकाता पोर्ट स्थित ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 117.54 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के डॉक सिस्टम की सुरक्षा और परिचालन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय पोत, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 'विरासत भी, विकास भी' की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। यह परियोजना एक महत्वपूर्ण विरासत संपत्ति को संरक्षित करते हुए आधुनिक तकनीक से उसे सुरक्षित, तेज और अधिक कुशल पोर्ट संचालन के लिए तैयार करेगी। मंत्रालय ने बताया कि करीब छह दशक पुराने इस दो लेन के बासक्यूल पुल का निर्माण मूल रूप से वाग्नर-बिरो ब्रिज सिस्टम्स एजी ने किया था। अब इसमें व्यापक संरचनात्मक मजबूती और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल अपग्रेड किए जाएंगे। प्रस्ताव का मूल्यांकन 16 फरवरी 2026 को मंत्रालय की डेलीगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड की बैठक में किया गया था। 117.54 करोड़ रुपए की इस परियोजना को लगभग 41 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता सागरमाला कार्यक्रम के तहत मिलेगी। परियोजना का क्रियान्वयन रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया जाएगा और कार्य मुंबई स्थित एचएंडएच फ्रेसीनेट कंपनी को सौंपा गया है।

### अयोध्या पहुंचा 11 सदस्यीय दक्षिण कोरियाई दल, मातामही रानी हो को किया नमन

**अयोध्या**। दक्षिण कोरिया का 11 सदस्यीय दल मंगलवार को अयोध्या पहुंचा और राजकुमारी सूरीरत्ना (दक्षिण कोरिया के गया राज्य की महारानी हेलो ह्वांग-ओक) के स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने अपनी पत्नी श्रीमती राजलक्ष्मी त्रिपाठी के साथ कोरियाई प्रतिनिधि मंडल का अंग वस्त्र एवं प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान महापौर ने रानी हो मेमोरियल पार्क के विकास में हर संभव सहयोग का वादा किया। हाल ही में स्मारक नगर निगम ने पर्यटन विभाग से हस्तगत किया है। दक्षिण कोरिया गणराज्य का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इंचियोन ली क्वान एसोसिएशन के अध्यक्ष ली जिन ओके के नेतृत्व में अपनी मातामही रानी हो से जुड़ी स्मृतियों को ताजा करने मंगलवार को अयोध्या पहुंचा। दुभाषिया के माध्यम से हुई बातचीत में प्रतिनिधिमंडल ने रानी हो मेमोरियल पार्क में पूजा स्थल के विकास की आवश्यकता जताई। महापौर ने स्मारक के विकास में हरसंभव सहयोग का वादा किया। उन्होंने इसके लिए भारतीय दूतावास के माध्यम से पत्राचार करने का सुझाव दिया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि आगामी 6 अक्टूबर को सौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रानी हो को नमन करने अयोध्या आएगा। उन्होंने अप्रैल में दक्षिण कोरिया में हो रहे कार्यक्रम में आने का निमंत्रण महापौर को दिया।

# मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

एजेंसी, कोलकाता

- **स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता, लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

**कुमार बोले- "चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो"**: ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- "चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो" (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)।

इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन CEC को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे।

## पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में अफगानिस्तान को आतंकवाद का गढ़ बताया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्रसंघ (यूएन) में कहा कि अफगानिस्तान आतंकवाद का गढ़ है। अफगानिस्तान की धरती से संचालित आतंकवाद से पाकिस्तान को ही नहीं, बल्कि आस-पास के पड़ोसियों के लिए भी बड़ा खतरा है। यूएन में पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि तालिबान तत्वों की तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), मजीद ब्रिगेड, अल-कायदा और दाएश खोरासान के साथ मिलीभगत है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने कहा कि देश के हजारों लोगों की जान गई है। सीमा पार से हुए तालिबान के हमलों के बाद हवाई हमला करना पड़ा। अहमद ने कहा कि तालिबान शासक आतंकवाद को पाल पोस रहे हैं। ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) जैसे आतंकवादी समूहों को अफगानिस्तान में सुरक्षित पनाह मिली हुई है। यह आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ कर आत्मघाती हमले कर रहे हैं।

अहमद ने कहा कि पाकिस्तान ने पड़ोसी के नाते तालिबान अधिकारियों से सदैव अच्छा व्यवहार किया है। मानवीय मदद की। दो-तरफ़ा व्यापार को बढ़ावा दिया। वीजा प्रणाली को आसान किया। ऐसे प्रयासों के बावजूद तालिबान शासकों का रवैया नहीं बदला। अफसोस यह है कि अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की बात भी अफगानिस्तान ने नहीं मानी और दोहा में तीन बार वार्ता हुई और बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई।

पाकिस्तान के बयान में अफगानिस्तान से हुए हालिया हमलों का भी जिक्र किया गया। अहमद ने कहा, ''पाकिस्तान में तब से आतंकवादी हमलों में तेजी आई है। इन हमलों की योजना तालिबान शासन की निगरानी में अफगानिस्तान में तैयार की गई। पिछले महीने किए गए आतंकी हमलों में देश के 175 से ज्यादा बेगुनाह लोगों की मौत हो गई है। इन हमलों में तीन आत्मघाती हमले भी शामिल हैं।

## 'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली से होगी रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली

भगवान राम से जुड़े पवित्र स्थलों की यात्रा कराने वाली प्रतिष्ठित 'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी की ओर से चलाई जा रही यह विशेष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 16 रात और 17 दिन की तीर्थ यात्रा पर प्रमुख रामायण स्थलों का भ्रमण कराएगी। भारतीय रेलवे ने "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों की शुरुआत की है। इसी क्रम में संचालित की जा रही यह रामायण यात्रा श्रद्धालुओं को रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों के दर्शन कराने का अवसर प्रदान करेगी। यह ट्रेन अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर (नेपाल), बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और रामेश्वरम जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को कवर करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू घाट के दर्शन करेंगे। इसके अलावा वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती सहित कई धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस पूर्ण वातानुकूलित ट्रेन में प्रथम एसी, द्वितीय एसी और तृतीय एसी श्रेणी की व्यवस्था होगी और कुल लगभग 150 पर्यटक इसमें यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन में दो रेस्टोरेंट, आधुनिक रसोई, शॉवर क्यूबिकल, सेंसर आधारित वॉशरूम, सीसीटीवी कैमरे और प्रत्येक कोच में सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था भी होगी। यह ट्रेन दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर और लखनऊ रेलवे स्टेशनों से भी यात्रियों को चढ़ने और उतरने की सुविधा देगी। पूरी यात्रा लगभग 7,560 किलोमीटर की होगी और 17वें दिन ट्रेन वापस दिल्ली पहुंचेगी।

आईआरसीटीसी ने इस पैकेज का किराया तृतीय एसी के लिए 1,14,100 रुपये, द्वितीय एसी के लिए 1,51,225 रुपये और प्रथम एसी के लिए 1,64,940 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है। इस पैकेज में ट्रेन यात्रा, तीन-सितारा होटलों में ठहरने की व्यवस्था, शाकाहारी भोजन, एसी बसों से स्थानीय भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर मैनेजर की सेवाएं शामिल होंगी।

## भारत ने संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक दिवस घोषित करने की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया भर में हो रहे बाल विवाह की समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए भारत के बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं विधिवेत्ता भुवन ऋभु ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह के उन्मूलन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र के कमीशन ऑन द स्टैटस ऑफ वुमेन (सीएसडब्ल्यू) के 70वें सत्र के मौके पर एक कार्यक्रम में उन्होंने वर्चुअली माध्यम से कहा कि हाल के वर्षों में भारत में बाल विवाह में उल्लेखनीय कमी आई है लेकिन आज भी दुनिया में हर 3 सेकेंड में कहीं न कहीं एक बाल विवाह हो रहा है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, "संयुक्त राष्ट्र को 'बाल विवाह उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' की घोषणा करनी चाहिए ताकि इसके खिलाफ वैश्विक प्रतिबद्धता व जवाबदेही मजबूत हो और दुनिया भर की सरकारें तथा समाज इस अपराध को समाप्त करने के लिए संगठित हों।" उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि बाल विवाह का अंत संभव है। रोकथाम संरक्षण अभियोजन एवं बच्चों, समुदायों और धर्मगुरुओं की भागीदारी पर आधारित 'संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज' के दृष्टिकोण के साथ हमारा देश 2030 तक बाल विवाह को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत में तीन वर्षों से भी कम समय में बाल विवाह की दर 23 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत से नीचे आ गई है। बाल विवाह दरअसल एक बच्चे के साथ होने वाले दुष्कर्म और यौन शोषण से कम नहीं है जिसे अक्सर संस्कृति या परंपरा की ओट में छिपा दिया जाता है। विशेषज्ञों ने यह भी रेखांकित किया कि कई देशों में बाल विवाह के खिलाफ सख्त कानूनी ढांचे पहले से मौजूद हैं लेकिन उनके कमजोर क्रियान्वयन के कारण यह प्रथा अब भी जारी है। कार्यक्रम में मौजूद सिएरा लियोन की प्रथम महिला डॉ. फातिमा मादा बायो, नेपाल की महिला बाल एवं वरिष्ठ नागरिक मंत्री श्रद्धा श्रेष्ठ एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने बाल विवाह के खात्मे के लिए एक समर्पित अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग का पुरजोर समर्थन किया। इससे बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और जवाबदेही को मजबूती मिलेगी।

भुवन ऋभु वर्ल्ड लॉ कांग्रेस 2025 में वर्ल्ड जूरिस्ट एसोसिएशन की ओर से 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित हो चुके हैं।

## सिक्योरिटी गार्ड बना करोड़पति

एजेंसी, मोहाली

मोहाली में सिक्योरिटी गार्ड ने डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम जीता है। उन्होंने पंजाब स्टेट डियर लॉटरी का 200 रुपए का टिकट खरीदा था और फिर रातों-रात उसकी किस्मत बदल गई। सिक्योरिटी गार्ड कपिल हरियाणा के पंचकूला जिले के रायपुररानी के गांव मौली के रहने वाले हैं। लॉटरी जीतने के बाद परिवार भी काफी खुश है। वहीं, परिवार वालों को अब लोग बधाई देने के लिए पहुंच रहे हैं।

**परिवार में पत्नी और तीन बच्चे**: कपिल देव एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनके पिता पंजाब कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। कपिल सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, पर वेतन ज्यादा नहीं था। लेकिन वह भी चाहता था कि उसका जीवन बदले। इसी सोच को लेकर कपिल देव ने मासिक पंजाब स्टेट डियर लॉटरी टिकट मोहाली के जीरकपुर स्थित लोकेश लॉटरी एजेंसी से खरीदी थी। इसमें घोषित हुए परिणामों में उनकी टिकट को पहला पुरस्कार प्राप्त हुआ।

**30वें करोड़पति बने कपिल**: लॉटरी एजेंसी के संचालक लोकेश कुमार ने बताया कि कपिल देव उनकी एजेंसी से लॉटरी टिकट खरीदकर करोड़पति बनने वाले 30वें व्यक्ति हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी उनकी एजेंसी से 29 लोग करोड़पति बन चुके हैं।

**पंजाब में ऑनलाइन लॉटरी पर पूरी तरह से बैन**: पंजाब में ऑनलाइन लॉटरी पर पूरी तरह से बैन है। पंजाब स्टेट लॉटरी विभाग न तो ऑनलाइन टिकट बेचता है और न ही चलाता है, हमेशा असली टिकट ही खरीदें और वो भी सिर्फ अधिकृत विक्रेताओं से। फोटो या ऑनलाइन कॉपी वाला टिकट मान्य नहीं होता। विभाग कभी भी विजेताओं से ऑनलाइन पेमेंट या टैक्स के नाम पर पैसे नहीं मांगता।

## चीन में 56 जातीय समूहों को एक पहचान मिलेगी अलग-अलग समुदायों में शादी को बढ़ावा

एजेंसी, बीजिंग

- **चीन में जिनपिंग सरकार एक नए कानून को मंजूरी देने की तैयारी कर रही**
- **बच्चों को कम्युनिस्ट पार्टी से प्रेम सिखाने की बात**
- **चीन में हान, उइगुर, तिब्बती, मंगोल जैसे 56 जातीय समूह**

चीन में जिनपिंग सरकार एक नए कानून को मंजूरी देने की तैयारी कर रही है, जिसमें अलग-अलग जातीय समूहों (एथनिक ग्रुप्स) को एक ही राष्ट्रीय पहचान दी जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस कानून का नाम 'लॉ ऑन प्रोमोटिंग एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस' है। चीन में हान, उइगुर, तिब्बती, मंगोल जैसे 56 जातीय समूह हैं। चीन की सरकार पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि वह देश के जातीय अल्पसंख्यकों (एथनिक माइनॉरिटी) को दबाने वाली नीतियां अपनाती है और उन्हें जबरन बहुसंख्यक हान चीनी संस्कृति में घुलने-मिलने के लिए मजबूर करती है। रिपोर्ट के मुताबिक अब चीन की संसद के सालाना सत्र में एक नया कानून पास होने वाला है। एक्सपर्ट्स और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट का कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा उनकी संस्कृति के लिए खतरा बढ़ाएगा। हालांकि चीन सरकार का कहना है कि यह कानून देश में लोगों के बीच एकता बढ़ाने और देश को आधुनिक बनाने के लिए जरूरी है। सरकार इसे 'जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून' बता रही है।

अगर कोई व्यक्ति, संगठन या गतिविधि ऐसी बात कहे या करे जिससे अलग-अलग जातीय समुदायों के बीच झगड़ा, नफरत या अलग होने की मांग बढ़े, तो उस पर रोक लगाई जाएगी। जिनपिंग की नीति को मजबूत करेगा नया कानून चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले भी कई बार धर्म के 'चीनीकरण' की बात कर चुके हैं। इसका मतलब है कि धार्मिक परंपराएं और प्रथाएं भी कम्युनिस्ट पार्टी के हिसाब से चीनी संस्कृति और मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि नया कानून इसी नीति को और मजबूत करेगा। पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के एरन ग्लासरमैन के मुताबिक, मंदारिन को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों की पहचान तथा धार्मिक अभिव्यक्ति पर नियंत्रण जैसी नीतियां पहले भी लागू थीं। अब चीन सरकार इन नीतियों को सिर्फ नीति नहीं बल्कि कानून का रूप दे रही है।

# भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थिति पर चिंता जताई

एजेंसी, न्यूयॉर्क

- **पाकिस्तान कर रहा संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन**

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों की कड़ी निंदा की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हवाई हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमापार सशस्त्र हिंसा से हुए नागरिक हताहतों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारत ने कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार छह मार्च 2026 तक 185 निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें लगभग 55 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। इन हमलों की वजह से एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करना और दूसरी तरफ रमजान के दौरान निर्दोष लोगों पर हमले करना पूरी तरह पाखंड है।

उन्होंने अफगानिस्तान के युवाओं और वहां के खेल उत्साह का भी जिक्र किया। पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि आज अगर कोई भी व्यक्ति अफगानिस्तान जाता है तो वहां के युवाओं को पूरे उत्साह के साथ क्रिकेट खेलते हुए देख सकता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जहां भी खेलती है, वहां लोगों का दिल जीत लेती है। हाल ही में हुए क्रिकेट विश्व कप में टीम का जोश और जज्बा सराहनीय रहा है। भारत ने कहा कि अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर में भागीदार होने पर उसे गर्व है और यह देखकर खुशी होती है कि यह टीम उन लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है, जो लंबे समय से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

भारत ने अपने बयान में आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया। पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि आईएसआईएल और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित कार्रवाई बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का जिक्र करते हुए कहा कि इन संगठनों और इनके समर्थकों को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।

भारत ने स्पष्ट किया कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में सबसे पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय सिद्धांतों का पालन करते हुए सभी पक्षों को हिंसा रोकने और शांति बहाल करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिरता और शांति न केवल क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें आतंकवाद और हिंसा के लिए कोई जगह न हो और अफगानिस्तान के लोगों को सुरक्षित और बेहतर भविष्य मिल सके।

सभी 34 प्रांतों में 500 से ज्यादा डेवलपमेंट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट्स के साथ भारत हेल्थकेयर, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेसिटी बिल्डिंग में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। हम हेल्थकेयर सपोर्ट में काफी तरक्की कर रहे हैं। पिछले तीन महीनों में इम्यूनाइजेशन वैक्सीन की एक मिलियन डोज और 9.5 टन एंटी-कैंसर दवाएं डिलीवर की गई हैं। मुश्किल हालात में जबरदस्ती और बिना मर्जी के लोगों को वापस भेजा जा रहा है। हम सदस्य देशों से अपील करते हैं कि वे अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को निभाएं।

# पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति- मुख्यमंत्री टकराव- क्या यह संवैधानिक गरिमा का प्रश्न है या चुनावी राजनीति की रणनीति?- चुनावी राजनीति,संवैधानिक संस्थाओं और संघीय ढांचे के बीच संतुलन बनाए रखना ज़रूरी -समग्र विश्लेषण

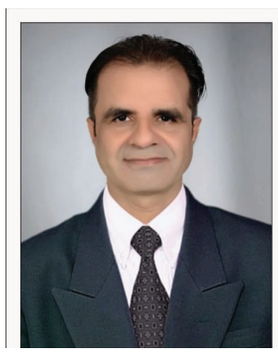

लोकतंत्र की शान

» लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं

» चुनावी मौसम और संवैधानिक टकराव का नया अध्याय - राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थाओं का सम्मान करना लोकतंत्र की मज़बूती का सटीक मंत्र -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं की गोंदिया महाराष्ट्र

**गोंदिया** - वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहाँ संवैधानिक मर्यादाएँ, प्रोटोकॉल,राजनीति और चुनावी रणनीतियाँ एक साथ टकराती नज़र आती हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसी बीच राष्ट्रपति के उत्तर बंगाल दौरे को लेकर पैदा हुआ विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस विवाद के केंद्र में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच राजनीतिक टकराव भी दिखाई देता है। एक ओर केंद्र सरकार और सत्तारुड़ पार्टी इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा और संविधान के सम्मान से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सीएम इसे चुनाव से पहले की राजनीतिक रणनीति और केंद्र द्वारा राज्य सरकार को घेरने की कोशिश बता रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विवाद केवल प्रोटोकॉल या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह केंद्र-राज्य संबंधों, संवैधानिक मर्यादाओं और चुनावी राजनीति की जटिलताओं को भी उजागर कर रहा है।लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं।राष्ट्रपति प्रधानमंत्री या अन्य संवैधानिक पदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल इसलिए बनाए गए हैं ताकि शासन प्रणाली में अनुशासन और सम्मान बना रहे। यदि इनका पालन नहीं होता तो इससे संस्थागत असंतुलन पैदा हो सकता है।आने वाले महीनों में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की घोषणा होने की संभावना है। ऐसे में यह विवाद चुनावी प्रचार का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।सत्ताधारी पार्टी इसे संवैधानिक सम्मान और आदिवासी गौरव के मुद्दे के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जबकि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी इसे केंद्र की राजनीतिक साजिश बताकर अपने समर्थकों को लामबंद करने की कोशिश करेगी। इस पूरे विवाद में मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। विभिन्न समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इस घटना को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है,कुछ लोग इसे राष्ट्रपति का अपमान मान रहे हैं,जबकि कुछ इसे राजनीतिक विवाद बता रहे हैं।लोकतंत्र में मीडिया जनमत को प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और ऐसे मामलों में उसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रपति का उत्तर बंगाल दौरा और विवाद की शुरुआत को समझने की करें तो,पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब माननीय राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुँचीं। यह कार्यक्रम एक निजी संगठन इंटरनेशनल संथाल काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था।मूल रूप से इस सम्मेलन का आयोजन दार्जिलिंग जिले के बिधाननगर क्षेत्र में प्रस्तावित था, जहाँ बड़ी संख्या में संथाल आदिवासी समुदाय के लोगों के पहुँचने की संभावना थी। हालांकि बाद में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए कार्यक्रम स्थल को बदलकर बागडोगरा एयरपोर्ट के पासगोशाईंपुर कर दिया गया।राष्ट्रपति ने स्वयं इस परिवर्तन परअसंतोष व्यक्त किया और कहा कि नया स्थल छोटा था,जिसके कारण हजारों संथाल समुदाय के लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति की यह नाराजगी धीरे-धीरे राजनीतिक विवाद का रूप लेने लगी। साथियों बात अगर हम प्रोटोकॉल का प्रश्न और राष्ट्रपति की नाराजगी को समझने की करें तो राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री और न ही राज्य सरकार का कोई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित था।उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटी बहन बताते हुए यह सवाल भी किया कि क्या वे उनसे नाराज हैं?। राष्ट्रपति के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया, क्योंकि यह पहली बार था जब किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से प्रोटोकॉल के पालन पर प्रश्न उठाया। इस बयान के बाद सत्तारुड़ पार्टी ने इसे संवैधानिक गरिमा से जोड़कर मुद्दा बनाया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। साथियों बात अगर हम प्रधानमंत्री और सत्ताधारी पार्टी की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो पीएम ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं बल्कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का भी अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि द्रौपदी मुर्मू स्वयं आदिवासी समुदाय से आती हैं और उनके विकास के लिए समर्पित हैं, ऐसे में उनके कार्यक्रम में अव्यवस्था होना और राज्य सरकार का उचित सहयोग न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं ने इसे आदिवासी अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया। सत्तारुड़ पार्टी के लिए यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण था क्योंकि बंगाल में आदिवासी समुदाय एक महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कापलटवार और राजनीतिक आरोप को समझने की करें तो उन्होंने इन सभी आरोपों को सिरे सेखारिज करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार का नहीं बल्कि एक निजी संस्था का आयोजन था।उनके अनुसार राज्य प्रशासन ने पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय को यह सूचित कर दिया था कि आयोजकों की तैयारी पर्याप्त नहीं है और इतनी बड़ी सभा को संभालने की क्षमता उनके पास नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रपति साल में एक बार किसी कार्यक्रम में आती हैं तो वे स्वयं स्वागत केलिए जा सकती हैं,लेकिन यदि चुनाव से पहले बार-बार कार्यक्रम होते हैं तो हर बार उपस्थित रहना संभव नहीं है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के पद का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। ममता बनर्जी का यह बयान राजनीतिक दृष्टि से बेहद तीखा माना गया क्योंकि उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि राष्ट्रपति सत्ताधारी पार्टी की नीतियों और निर्देशों से प्रभावित होकर कार्य कर रही हैं। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को केंद्र–राज्य टकराव का नया आयाम इस दृष्टिकोण से समझने की करें तो यह विवाद धीरे-धीरे केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव का रूप लेने लगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और पूछा कि मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक राष्ट्रपति के स्वागत के लिए क्यों उपस्थित नहीं थे। साथ ही यह भी पूछा गया कि कार्यक्रम स्थल और मार्ग की व्यवस्था ब्लू बुक के अनुसार क्यों नहीं की गई। इन सवालों ने इस मामले को केवल राजनीतिक बहस से आगे बढ़ाकर प्रशासनिक और संवैधानिक जांच के दायरे में ला दिया। साथियों बात अगर हम ब्लू बुक क्या है और इसकामहत्व क्या है इसको समझने की करें तो,इस विवाद के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस शब्द की हुई वह था ब्लू बुक। भारत में जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री किसी राज्य के दौरे पर जाते हैं तो उनकी सुरक्षा, स्वागत और अन्य व्यवस्थाएँ गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए एक विशेष प्रोटोकॉल दस्तावेज़ के अनुसार होती हैं जिसे ब्लू बुक कहा जाता है। यह दस्तावेज़ अत्यंत गोपनीय होता है और केवल चुनिंदा अधिकारियों को ही उपलब्ध कराया जाता है। इसमें राष्ट्रपति के आगमन से लेकर कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा, मार्ग, झंडा, राष्ट्रगान, बैठने की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाओं तक हर छोटी- बड़ी बात का विस्तृत विवरण होता है।ब्लू बुक के प्रमुख प्रावधान-ब्लू बुक के अनुसार जब राष्ट्रपति किसी राज्य में पहुँचते हैं तो राज्यपाल और मुख्यमंत्री या उनके द्वारा नामित मंत्री को हवाईअड्डे पर स्वागत के लिए उपस्थित रहना चाहिए। यदि मुख्यमंत्री किसी कारण से उपस्थित नहीं हो सकते तो मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति के लिए तय मार्ग पूरी तरह साफ- सुथरा होना चाहिए, सुरक्षा व्यवस्था चाक- चौबंद होनी चाहिए और कार्यक्रम स्थल पर सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए। यह केवल औपचारिकता नहीं बल्कि राष्ट्र की गरिमा और संवैधानिक शिष्टाचार का हिस्सा माना जाता है।पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव ने गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट में कहा कि कार्यक्रम पूरी तरह एक निजी संगठन द्वारा आयोजित था और राज्य सरकार की भूमिका सीमित थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि प्रशासन ने पहले ही आयोजकों की तैयारियों को लेकर चिंता व्यक्त की थी और राष्ट्रपति सचिवालय को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। इसके साथ ही रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति प्रशासनिक कारणों से थी और प्रोटोकॉल का कोई जानबूझकर उल्लंघन नहीं किया गया। साथियों बात अगर हम इसका राजनीतिक विश्लेषणः चुनावी रणनीति या संवैधानिक मुद्दा को समझने की करें तो, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव निकट हैं। सत्ताधारी पार्टी लंबे समय से बंगाल में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है और आदिवासी समुदाय को अपने पक्ष में लाने की रणनीति पर काम कर रही है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी भी इस समुदाय में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। ऐसे में राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर उठा विवाद चुनावी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकता है। साथियों बात अगर हम संवैधानिक गरिमा और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को समझने की करें तो यह घटना एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देती है कि क्या संवैधानिक पदों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अलग रखा जा सकता है। भारत के संविधान में राष्ट्रपति को देश का प्रथम नागरिक माना गया है और उनका पद दलगत राजनीति से ऊपर माना जाता है। लेकिन जब राजनीतिक दल इस प्रकार के विवादों को चुनावी मुद्दों में बदल देते हैं तो इससे संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर भी प्रश्न उठने लगते हैं।यह विवाद भारत के संघीय ढांचे में केंद्र और राज्यों के संबंधों पर भी प्रकाश डालता है। भारतीय संविधान संघीय व्यवस्था पर आधारित है जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की अपनी- अपनी शक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ होती हैं। लेकिन जब राजनीतिक मतभेद बढ़ जाते हैं तो प्रशासनिक और संवैधानिक मुद्दे भी टकराव का कारण बन जाते हैं। पश्चिम बंगाल का यह मामला इसी प्रवृत्ति का उदाहरण माना जा रहा है। आदिवासी राजनीति का आयाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं और उनका राजनीतिक-सामाजिक महत्व भी अत्यंत बड़ा है। इसलिए इस विवाद को आदिवासी अस्मिता से जोड़कर देखा जाना भी स्वाभाविक है। भाजपा इस मुद्दे को आदिवासी सम्मान के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि तृणमूल कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बता रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी राजनीति भी बंगाल चुनाव में एक महत्वपूर्ण कारक बनने जा रही है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संवैधानिक मर्यादा और लोकतांत्रिक संतुलन की आवश्यकता जरूरी है पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के दौरे को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद केवल एक प्रोटोकॉल विवाद नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र के कई आयामों को उजागर करता है। यह घटना दिखाती है कि चुनावी राजनीति, संवैधानिक संस्थाओं और संघीय ढांचे के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थाओं का सम्मान बना रहे। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह विवाद किस दिशा में जाता है, क्या यह केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगा या इससे भविष्य में प्रोटोकॉल और केंद्र-राज्य संबंधों को लेकर कोई नई व्यवस्था विकसित होगी।

**-संकलनकर्ता लेखक**
**- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार**
**साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक**
**चिंतक कवि संगीत माध्यमा**
**सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन**
**सनमुखदास भावनानी गोंदिया**
**महाराष्ट्र 9284141425**

# ब्रह्माकुमारीज का ईश्वरीय चेहरा थी बीके गुलज़ार दादी

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन

ब्रह्माकुमारीज संस्था में राजयोगिनी गुलज़ार दादी जहां वर्षो तक ईश्वरीय चेहरा रही वही ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं देंकर संस्था को रूहानियत के शीर्ष तक पहुंचाया।उनका रूहानी नाम हृदय मोहिनी था, जिनको गुलज़ार दादी के नाम से भी जाना जाता रहा। वे ब्रह्माकुमारीज अर्थात प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासनिक प्रमुख के पद पर अप्रैल सन 2020 से 10 मार्च 2021 तक रही। हालांकि गुलज़ार दादी इस संस्था से सन 1936 मे ही संस्था की स्थापना के समय से मात्र 8 वर्ष की आयु में जुड़ गई थी।वे ओम निवास नामक बोर्डिंग स्कूल के माध्यम से इस संस्था में शामिल हुईं। इस संस्था की स्थापना दादा लेखराज यानि ब्रह्मा बाबा ने बच्चों को आध्यात्मिक एवं चारित्रिक सीख देने के लिए की थी। तब से गुलज़ार दादी अपनी शारीरिक आयु 92 पूरे करके शरीर छोड़ने तक इस संस्था के प्रति समर्पित रही।गुलज़ार दादी जिनका लौकिक नाम शोभा था, का जन्म सन 1929 में अविभाजित भारत के समय हैदराबाद के सिंध शहर में हुआ था। शोभा आठ भाई बहन थे। उनकी माता ने स्वेच्छा से उनको शिवबाबा के यज्ञ में आत्मसमर्पण करा दिया था क्योंकि वे पहले ही चाहतीं थी कि उनका एक बच्चा आध्यात्मिकता की तरफ जाये।भगवान का बच्चा होने के रूहानी नशे से लबरेज़ शोभा का शुरुआती जीवन बहुत ही आनंद और मज़े में बीता। उन दिनों मुरली यानि ईश्वरीय वाणी में स्वर्ग के बारे में ही बताया जाता था। यह शिव बाबा की दादा लेखराज यानि ब्रह्मा बाबा द्वारा दी गयी शुरू की रूहानी शिक्षाएँ है। शोभा को वेदों की कोई जानकारी नहीं थी। फिर भी शिव बाबा की ईश्वरीय वाणी सुनकर,वे गहरे ईश्वरीय प्रेम और आध्यात्मिक आनंद अनुभव करने लगी थी।सन 1940 में उन्हें योग के समय सतयुग के दृश्य अनुभव होते थे। ब्रह्मा बाबा और मम्मा को भी यह दृश्य नहीं दिखते थे, परन्तु शोभा सहित कुछ छोटे बच्चों को नए युग के दृश्य दिखाई देने लगे थे। वे जो देखती थी, उसे सभी को बताती थीं। कराची में 1939 से 1950 तक रहने के बाद वे सन 1950 में ब्रह्मा बाबा के साथ माउंट आबू आ गई। तब तक शोभा यानि गुलज़ार दादी शारीरिक व आध्यात्मिक तौर पर परिपक्व हो गयीं थी और इसलिए बाबा ने उन्हें सम्पूर्ण भारत में सेवाओं के लिए भेज दिया ।

# नीलगिरि पर्वतीय में मध्य कुनूर रेलवे स्टेशन व टॉय रेल भारतीय रेल के स्वर्णिम इतिहास,रोमांच,पर्यटन और विकास की अविस्मरणीय यात्रा की स्वर्णिम गाथा

लेखक : बिनोद कुमार सिंह

भारतीय रेल के स्वर्णिम इतिहास की विराट गाथा में कुछ ऐसे अध्याय भी हैं जो केवल परिवहन व्यवस्था की उपलब्धि भर नहीं,बल्कि प्रकृति,रोमांच,मानवीय परिश्रम और तकनीकी कौशल के अद्भुत समन्वय के प्रतीक बनकर उभरते हैं।दक्षिण भारत की नीलगिरि पर्वतमाला में स्थित पर्वतीय नगर कुनूर और वहाँ से गुजरने वाली ऐतिहासिक नीलगिरि माउन्टे ड रेलवे की टॉय ट्रेन ऐसी ही एक जीवंत कथा है, जिसे देखने और अनुभव करने का सौभाग्य जब हमें मिला तो लगा मानो भारतीय रेल की स्वर्णिम विरासत के किसी सजीव अध्याय के साक्षी बन रहे हों।नीलगिरि की पहाड़ियाँ प्रकृति की अनुपम छटा से परिपूर्ण हैं।यहाँ पर्वतों की हरित श्रृंखलाएँ,धुंध से घिरी घाटियाँ,झरनों की मधुर ध्वनि और दूर-दूर तक फैले चाय बागान ऐसा दृश्य उपस्थित करते हैं मानो प्रकृति ने स्वयं अपने हाथों से कोई विशाल चित्र रच दिया हो।इन्हीं पहाड़ियों के मध्य स्थित कुनूर रेलवे स्टेशन इस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच एक ऐतिहासिक धरोहर की तरह दिखाई देता है।यह केवल एक स्टेशन नहीं, बल्कि भारतीय रेल की उस गौरवपूर्ण यात्रा का साक्ष्य है जिसने कठिन से कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया।जब टॉय ट्रेन की यात्रा का अवसर मिला और रेल धीरे-धीरे कुनूर स्टेशन की ओर बढ़ने लगी, तो खिड़की से बाहर झांकते ही ऐसा लगा जैसे हम किसी स्वप्निल संसार में प्रवेश कर रहे हों।पहाड़ियों के बीच घुमावदार पटरियों पर धीरे-धीरे आगे बढ़ती ट्रेन, दूर तक फैली हरियाली और बादलों से ढकी घाटियाँ मन को अनायास ही रोमांच से भर देती हैं। उस क्षण यह एहसास होता है कि भारतीय रेल केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने का साधन भर नहीं,बल्कि अनुभवों और स्मृतियों की ऐसी यात्रा है जो जीवन भर साथ रहती है।नीलगिरि पर्वतमाला का यह क्षेत्र लंबे समय से अपनी शीतल जलवायु और प्राकृतिक शांति के कारण आकर्षण का केंद्र रहा है।औपनिवेशिक काल में जब अंग्रेज अधिकारी दक्षिण भारत की गर्म जलवायु से राहत पाने के लिए पर्वतीय क्षेत्रों की तलाश कर रहे थे,तब नीलगिरि की पहाड़ियों ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया।उस समय पर्वतीय नगर उटी को एक प्रमुख हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा था,किंतु इन पहाड़ियों तक पहुँचना अत्यंत कठिन था।संकरी और घुमावदार सड़कों के कारण यात्रा लंबी और जोखिमपूर्ण होती थी। इसी कठिनाई को दूर करने के लिए पर्वतीय रेलमार्ग की कल्पना की गई।इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत मैदानी क्षेत्र के मिथुप्लेयम Mettupalayam से पर्वतीय क्षेत्रों तक रेलमार्ग निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ।उस समय पहाड़ों के बीच रेलवे लाइन बनाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था।तीखी ढलानें, गहरी घाटियाँ और घने जंगल निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करते थे,किंतु इंजीनियरों की तकनीकी कुशलता और हजारों श्रमिकों के अथक परिश्रम ने इस असंभव प्रतीत होने वाले कार्य को संभव बना दिया।अनेक वर्षों की मेहनत के बाद वर्ष 1908 में नीलगिरि पर्वतीय रेलमार्ग पूर्ण रूप से तैयार हुआ और इसने पर्वतीय क्षेत्र के सामाजिक तथा आर्थिक जीवन को नई दिशा प्रदान की।कुनूर रेलवे स्टेशन इस ऐतिहासिक रेलमार्ग का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।समुद्र तल से लगभग 1850 मीटर की ऊँचाई पर स्थित यह स्टेशन पहाड़ियों की हरियाली के बीच शांत वातावरण में स्थित है।ब्रिटिश कालीन स्थापत्य शैली में निर्मित स्टेशन भवन,पत्थर और लकड़ी की संरचना,पारंपरिक संकेतक और लकड़ी की बेंचें यात्रियों को अतीत के समय की स्मृतियों से जोड़ देती हैं।यहाँ पहुँचते ही ऐसा लगता है मानो समय की गति कुछ क्षणों के लिए थम गई हो।नीलगिरि पर्वतीय रेल की सबसे बड़ी पहचान इसकी प्रसिद्ध टॉय ट्रेन है।आकार में छोटी लेकिन आकर्षण में अत्यंत विशाल यह ट्रेन लगभग 46 किलोमीटर की यात्रा में सुरंगों, पुलों और सैकड़ों घुमावदार मोड़ों से होकर गुजरती है।जैसे-जैसे ट्रेन पहाड़ों की ढलानों पर धीरे-धीरे चढ़ती है,वैसे-वैसे प्रकृति के दृश्य और भी मनोहारी होते जाते हैं। कहीं घाटियों में तैरते बादल दिखाई देते हैं,कहीं झरनों की धाराएँ चमकती हुई बहती नजर आती हैं, तो कहीं दूर-दूर तक फैले चाय बागान हरे कालीन की तरह बिछे दिखाई देते हैं।यात्रा के दौरान कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रेन बादलों के बीच से होकर गुजर रही है।उस क्षण यात्रियों के चेहरे पर आश्चर्य और आनंद की मिश्रित अनुभूति स्पष्ट दिखाई देती है। पहाड़ों के बीच गूँजती इंजन की सीटी और भाप के बादल मानो इस यात्रा को और भी रोमांचक बना देते हैं।यह अनुभव केवल एक रेल यात्रा नहीं,बल्कि प्रकृति के साथ एक आत्मीय संवाद बन जाता है।इस रेलमार्ग की तकनीकी विशेषता भी अत्यंत उल्लेखनीय है।पहाड़ों की तीखी ढलानों पर ट्रेन को सुरक्षित रूप से चढ़ाने के लिए यहाँ 'रैक एंड पिनियन' प्रणाली का उपयोग किया गया है।पटरियों के बीच लगी दाँतेदार पटरी इंजन को मजबूती प्रदान करती है जिससे ट्रेन कठिन ढलानों पर भी स्थिर गति से आगे बढ़ सकती है।यही तकनीकी विशेषता इस रेलमार्ग को विश्व के अन्य पर्वतीय रेलमार्गों से अलग पहचान प्रदान करती है।इस ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए वर्ष 2005 में यूएनई एससीओ ने नीलगिरि पर्वतीय रेल को विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान किया। यह सम्मान केवल एक रेलवे लाइन के लिए नहीं, बल्कि उस पूरी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के लिए है जो इस रेलमार्ग के साथ विकसित हुई है।यात्रा के दौरान ट्रेन की खिड़की से बाहर झांकते हुए जब दूर तक फैले चाय बागानों, छोटे-छोटे पहाड़ी गाँवों और घने जंगलों को देखा,तो लगा कि यह केवल एक पर्यटक स्थल नहीं बल्कि प्रकृति की गोद में बसी हुई एक जीवंत सभ्यता है।कहीं बंदरों के झुंड यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं तो कहीं झरनों की ध्वनि वातावरण को मधुर संगीत से भर देती है।नीलगिरि टॉय ट्रेन की यात्रा आज भी हजारों पर्यटकों को आकर्षित करती है।देश-विदेश से आने वाले यात्री इस अनूठी रेल यात्रा का अनुभव करने के लिए यहाँ पहुँचते हैं।इस कारण स्थानीय होटल उद्योग,बाजार,टैक्सी सेवाएँ और चाय उद्योग को भी व्यापक लाभ मिलता है।इस प्रकार यह रेलमार्ग न केवल पर्यटन का केंद्र है बल्कि स्थानीय विकास और रोजगार का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।इस यात्रा का सबसे सुखद क्षण वह था जब ट्रेन धीरे-धीरे कुनूर स्टेशन से आगे बढ़ते हुए पहाड़ियों के बीच खोती चली गई।उस समय मन में यह अनुभूति स्पष्ट थी कि यह यात्रा केवल कुछ घंटों की रेल यात्रा नहीं,बल्कि भारतीय रेल के गौरवशाली इतिहास और प्रकृति की अद्भुत छटा के बीच बिताया गया एक अविस्मरणीय अनुभव है।नीलगिरि की शांत और हरित पहाड़ियों के बीच स्थित कुनूर रेलवे स्टेशन और नीलगिरि पर्वतीय रेल वास्तव में भारतीय रेल की एक अमूल्य धरोहर है। यहाँ की यात्रा हर यात्री के मन में आनंद, रोमांच और स्मृतियों की ऐसी छाप छोड़ती है जो जीवन भर साथ रहती है। जब यह छोटी-सी टॉय ट्रेन पहाड़ों के बीच धीरे-धीरे आगे बढ़ती है तो लगता है मानो समय भी उसके साथ ठहर गया हो।प्रकृति की गोद में बीते वे क्षण मन में एक गहरी शांति और संतोष का भाव जगाते हैं।निस्संदेह यह कहा जा सकता है कि कुनूर रेलवे स्टेशन और नीलगिरि पर्वतीय रेल केवल एक रेलमार्ग नहीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक,ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत का ऐसा अमूल्य प्रतीक है जिसकी यात्रा हर यात्री के लिए एक सुखद, रोमांचक और चिरस्मरणीय अनुभव बन जाती है।नीलगिरि पर्वतीय में मध्य कुनूर रेलवे स्टेशन व टॉय रेल भारतीय रेल के स्वर्णिम इतिहास,रोमांच,पर्यटन और विकास की अविस्मरणीय यात्रा की स्वर्णिम गाथा मेरी व मेरे सहयात्री के मानस पटल अंकित हो गया ।

# "स्वातंत्र्य युद्ध में नमक सत्याग्रह की भागीदार महिलाओं का असीम आत्मबल"

- डॉ.जया शुक्ला

हमारे देशमें शक्ति की अधिष्ठात्री देवी ही की अवधारणा है, किसी पुरुष देवता की नहीं। यह उचित और सत्य भीहै। शक्ति के अनेक प्रकार और रूप होतेहैं, जो पुरुषों में भी प्रचुर मात्रा में हैं, कई जगह स्त्रियों से अधिक। किन्तु आत्मबल और धैर्य, जो सबसे प्रमुख शक्तियों में हैं, स्त्रियों में अधिक माने जाते हैं। यही वह शक्ति है, जो उचित दिशा का निर्धारण करलेने के पश्चात् , विपरीततम् परिस्थितियों में भी सही के साथ अडिग रूप से जुड़े रहने और संघर्ष करने का बल देती है। महिला दिवस पर महात्मा गाँधी के साथ नमक सत्याग्रह के लिये सत्याग्रही के रूप में जुड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व और रोमांचित कर देने वाले इस आत्म बल को दर्शानेवाली घटना को देशवासियों के सामने लाना

आवश्यक है। यह घटना "गाँधी दर्शन" में वर्णित है। महात्मा गाँधी ने नमक सत्याग्रह में साथ में दाँडी को मार्च करने के लिये तथा नमक बनाने के लिए स्वयं ही 79 सत्याग्रहियों की सूची बनाई। इस सूची में सभी पुरुषों के ही नाम थे। इसपर व्यथित होकर श्री महादेव देसाई की पत्नी दुर्गाबेन आश्रम की कुछ महिलाओं को लेकर बापू के पास पहुँचीं। उन्होंने शिकायत व्यक्त की, कि आपने आश्रम की किसी भी महिला को इस योग्य नहीं समझा कि हम नमक सत्याग्रह में शामिल हो सकें? बापू ने हँसकर उन्हें उत्तर दिया, कि मुझे पता था कि तुम ऐसा प्रश्न पूछोगी। अगर मैं इस सूची में महिलाओं को शामिल करता तो वे आंदोलन में आगे चलतँ और अंग्रेज़ सरकार को कहतीं कि गाँधी महिलाओं के पीछे चल रहा था इसलिए हम उनको डंडे नहीं मार सके। फिर उन्होंने बताया कि महिलाएँ अहिंसक आंदोलन में पुरुषों से ज़्यादा त्याग और पराक्रम कर सकती हैं। साबरमती से दाँडी तक तो जगह जगह लोग स्वागत करेंगे। इसमें क्या त्याग और पराक्रम होगा, असली काम धरासना में होगा तब मैं महिलाओं को बुलाऊँगा। गाँधीजी ने दुर्गाबेन से कहा कि मैंने महिलाओं के लिए बहुत बड़ी भूमिका निर्धारित की है।दाँडी मार्च में पुलिस की लाठियाँ खाने आंदोलन का नेतृत्व मैं स्वयं करूँगा । जब मैं गिरफ्तार हो जाऊँगा तब मेरे बाद अब्बास तैयबजी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे । जब सभी पुरुष लाठियों की मार से घायल हो जायेंगे या जेल चले जायेंगे तब अंत में सरोजिनी नायडू दाँडी मार्च में महिलाओं का नेतृत्व करेंगी। तदनुसार जब महात्मा गाँधी को गिरफ्तार किया गया और लगभग सभी सत्याग्रही लहुलुहान हालत में एक अस्थाई अस्पतालनुमा टेंट में घायल पड़े हुए थे, तब सरोजिनी नायडू के नेतृत्व में महिलाओं का दल आगे बढ़ा। अंग्रेज़ पुलिस अफ़सर ने उनसे कहा कि रुक जाइए, सरकार का हुक्म है कि आप इससे आगे नहीं जा सकतीं। सरोजिनी नायडू जी का उत्तर था कि गाँधीजी का हुक्म है कि हम इससे पीछे नहीं जा सकते। लगातार पूरे 9 घंटे पुलिस और सरोजिनी नायडू तने हुए आमने सामने खड़े रहे। अंततः थक-हार कर पुलिस अफ़सर ने अपने सिपाही से कहा कि मैडम के बैठने के लिए कुर्सी लाइए। उन पूरे 9 घंटों में एक भी महिला अपनी लाइन से नहीं हिली थी।

**जया शुक्ला**

## कुलदीप यादव वंशिका संग मसूरी में 7 फेरे लेंगे

● 14 मार्च को शादी, 17 को लखनऊ में रिसेप्शन, सीएम योगी को दिया न्योता

**कानपुर (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी। इस बीच, सोमवार को कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में सीएम योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे। पहले दोनों शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी-20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। कुलदीप के कोच और पारिवारिक मित्र कपिल देव पांडेय ने बताया-शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे।

**टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे कुलदीप-** कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं। उन्होंने 22.50 के एवरेज और 4.84 की इकोनॉमी रेट से 365 विकेट झटके हैं। 31 साल के कुलदीप ने 9 मौकों पर पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

# बीसीसीआई देगा टीम इंडिया को 131 करोड़ का इनाम

### खिलाड़ियों, स्टाफ और सिलेक्टर्स को बधाई देकर कहा शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। भारत ने रविवार को खिताब अपने नाम किया था।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और ट्रॉफी जीती थी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी।

**भारतीय टीम को 27.5 करोड़ प्राइज मनी मिली-** रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर (करीब 27.5 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। वहीं, रनर-अप न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.7 करोड़ रुपए) दिए गए। हालांकि, इस बार आईसीसी ने प्राइज मनी की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी, जबकि आमतौर पर हर टूर्नामेंट में इसकी जानकारी पहले ही दे दी जाती है।

### भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारतीय टीम 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

## गैरी कर्स्टन श्रीलंका के नए हेड कोच बने

● दो साल का कॉन्ट्रैक्ट, पूर्व साउथ अफ्रीकी ने भारत को 2011 वर्ल्ड कप दिलाया था

**कोलंबो (एजेंसी)।** पूर्व साउथ अफ्रीकी ओपनर गैरी कर्स्टन श्रीलंका के नए हेड कोच होंगे। सोमवार को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने इसका ऐलान किया। वे 15 अप्रैल 2026 से टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

**जयसूर्या की जगह लेंगे-** कर्स्टन को दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त किया गया है। वे सनथ जयसूर्या की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के सुपर-8 से बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था।

**2027 वनडे वर्ल्ड कप तक साथ रहेंगे-** श्रीलंका के साथ उनके दो साल के कार्यकाल में सबसे बड़ा टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्ड कप होगा, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। टीम की कोशिश उस टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करने की होगी।

**टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के कोच थे-** गैरी कर्स्टन इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नामीबिया टीम के कंसल्टेंट कोच भी रहे थे। खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 101 टेस्ट और 185 वनडे खेले हैं।

**2011 वनडे वर्ल्ड कप जीता था-** कोचिंग में भी कर्स्टन का अच्छा रिकॉर्ड रहा है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2011 का वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद टीम ने टेस्ट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और रैंकिंग में नंबर-1 बना था। इसके बाद उन्होंने दो साल तक साउथ अफ्रीका की टीम को भी कोचिंग दी।2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने गैरी कर्स्टन को कंधे पर उठाकर विक्ट्री लैप लगाई थी।

# पांच ईरानी फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने शरण दी

### राष्ट्रीय गान विवाद के बाद लौटने से इनकार किया, एशियन कप खेलने गई थीं खिलाड़ी

**ब्रिस्बेन (एजेंसी)।** एशियन कप से बाहर होने के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा देकर अपने देश में रहने की इजाजत दे दी है। था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों ने शरण मांगी थी।।

टीम में कुल 26 खिलाड़ी और

ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मिनिस्टर टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है। दरअसल, पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया स्टाफ मौजूद थे, लेकिन फिलहाल सिर्फ पांच खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी। बाकी खिलाड़ी अभी अपने फैसले पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि उनके परिवार ईरान में रहते हैं और उन्हें उनके खिलाफ कार्रवाई का डर है।

### मंत्री टोनी बर्क ने जानकारी दी

वहां उनकी मुलाकात ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मिनिस्टर टोनी बर्क से हुई और उनके मानवीय वीजा की प्रक्रिया पूरी हो गई। यह जानकारी मंत्री ने कुछ घंटों बाद ब्रिस्बेन में पत्रकारों को ही। बर्क ने कहा, मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि यह निर्णय प्रत्येक महिला के लिए कितना कठिन रहा होगा, लेकिन निश्चित रूप से कल रात खुशी और राहत का माहौल था। उन्होंने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते समय महिलाओं के मुस्कुराते और ताली बजाते हुए फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए।

### ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की कि इन पांच खिलाड़ियों को मानवीय वीजा दे दिया गया है। इस वीजा के तहत वे ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं, काम कर सकती हैं और पढ़ाई भी कर सकती हैं। इसी मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो अमेरिका भी इन खिलाड़ियों को शरण देने के लिए तैयार है।

### खिलाड़ियों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया

ऑस्ट्रेलिया में ईरानी टीम को लेकर व्यापक अटकलें लगाई गईं और खबरें भी खूब छपीं जब खिलाड़ियों ने अपने पहले मैच से पहले ईरानी राष्ट्रगान नहीं गाया। मंगलवार की सुबह ऑस्ट्रेलिया के संघीय पुलिस अधिकारियों ने गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया के एक होटल से पांच महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

# वर्ल्ड कप जीत का जश्न

### मुंबई की सड़कों पर 11 या 12 मार्च निकल सकता है टीम इंडिया की विक्ट्री परेड

**मुंबई (एजेंसी)।** भारत की ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के बाद अब क्रिकेट फैंस को टीम इंडिया की भव्य विक्ट्री परेड का इंतजार है। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार चैंपियन टीम के लिए जल्द ही शानदार रोड शो आयोजित किया जा सकता है।

**दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की संभावना-** खबरों के मुताबिक भारतीय टीम सबसे पहले नई दिल्ली पहुंच सकती है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व विजेता खिलाड़ियों की मेजबानी करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। इस दौरान खिलाड़ी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे और टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ फोटो भी खिंचवाएंगे। दिल्ली में औपचारिक कार्यक्रम के बाद जश्न का असली रंग मुंबई में देखने को मिल सकता है।

● **मरीन ड्राइव पर निकल सकता है भव्य रोड शो-** मुंबई में आयोजित होने वाली यह विक्ट्री परेड 2007 और 2024 की ऐतिहासिक जीत की यादें ताजा कर सकती है। संभावना है कि नरीमन पॉइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक ओपन-बस में खिलाड़ियों का रोड शो निकाला जाएगा। पिछली बार की तरह मरीन ड्राइव पर लाखों फैंस के उमड़ने की उम्मीद है। भीड़ को देखते हुए मुंबई पुलिस और प्रशासन इस बार विशेष सुरक्षा और क्राउड मैनेजमेंट प्लान तैयार कर रहे हैं ताकि फैंस सुरक्षित तरीके से जश्न मना सकें।

● **वानखेड़े स्टेडियम में होगा भव्य सम्मान समारोह-** विक्ट्री परेड का समापन वानखेड़े स्टेडियम में होने की संभावना है, जहां टीम इंडिया के लिए भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जा सकता है।

### कब हो सकती है विक्ट्री परेड?

सूत्रों के अनुसार टीम इंडिया की विक्ट्री परेड 11 या 12 मार्च के आसपास आयोजित हो सकती है। खिलाड़ी फिलहाल अपने परिवारों के साथ समय बिता रहे हैं, जिसके बाद यह राष्ट्रीय जश्न आयोजित किया जा सकता है।

## व्यापार

## चीनियों से आगे हैं पाकिस्तानी, लेकिन सबसे आगे हिंदुस्तानी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका में भारतीय मूल के लोग अच्छी व्यवस्था में हैं और कई बड़ी-बड़ी कंपनियों को संभाल रहे हैं। मीडियन हाउसहोल्ड इनकम के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। उनके मुकाबले चीन और पाकिस्तान बहुत पीछे है। नई दिल्ली : दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी वाले देश अमेरिका को खिसका की ज़मीन कहा जाता है। दुनिया भर से लोग इस देश में बसे हुए हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय मूल के 50 लाख से ज़्यादा लोग अमेरिका में रहते हैं। अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों की कमान भारतीय मूल के लोगों के हाथ में है। हर क्षेत्र में भारतवंशियों ने अपना झंडा गाड़ा है। यही वजह है कि मीडियन हाउसहोल्ड इनकम के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। अमेरिका में भारतीयों की मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 152,341 डॉलर है। यूएस सेंसस ब्यूरो के मुताबिक इस लिस्ट में

भारतीयों के बाद ताइवान के खिसका का नंबर है। उनका मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 122,951 डॉलर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन (116,649 डॉलर), फिलीपींस मूल के लोगों (109,090 डॉलर) और साउथ अफ्रीकन (107,595 डॉलर) का नंबर है। इस लिस्ट में पाकिस्तानी पांचवें नंबर पर हैं। उनका मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 106,281 डॉलर है। उसके बाद ईरान (104,993 डॉलर) और लातविया (104,240 डॉलर) मूल के लोगों का नंबर है।

## रिलायंस इंडस्ट्रीज पर मॉर्गन स्टेनली का बड़ा दांव, शेयर में 27 प्रतिशत की तेजी की उम्मीद

**नईदिल्ली, एजेंसी।** मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस के भंडार के लिए 1,803 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ ओवरवेट रेटिंग को नकल है। इस सोमवार के 1,418 रुपये के बंद भाव से 27.1 प्रतिशत की तेजी की संभावना को खुलता है। मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नतीजों को लेकर अपनी पॉजिटिव नजरिया बनाए रखा है। कंपनी का मानना है कि कंपनी के नतीजों में तेजी की संभावना है, क्योंकि उसके एनर्जी कारोबार के मूल्यांकन में तेजी से कंज्यूमर कारोबार में आ वाली गिरावट के असर को कम किया जा सकता है। सीएनबीसी टीवी-18 की खबर के मुताबिक मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस के नतीजों के लिए 1,803 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ 'ओवरवेट' रेटिंग को गिना है। इस सोमवार के 1,418 रुपये के बंद भाव से 27.1 प्रतिशत की तेजी की संभावना को खुलता है। ग्लोबल उथल-पुथल के बीच रिलायंस को फायदा ब्रोकरेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां दुनिया भर में रिफाइनिंग और एशियन पेट्रोकेमिकल कंपनियों के वैल्यूएशन में बढ़ोतरी हुई है, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी अपनी लोकल कंपटीटर कंपनियों के मुकाबले कम कीमत पर कारोबार कर रही है। ईरान-इजराइल-अमेरिका तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड में आ रही रुकावटों, तेल की कीमतों में उछाल और निफ्टी में भारी उतार-चढ़ाव के बीच मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि वैश्विक निफ्टी में सप्लाई में कमी और मजबूत मांग के चलते रिफाइनिंग मार्जिन लंबे समय तक ऊंचा बना रहेगा। गौरतलब है कि पिछले महीने भी मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस को अपनी 'टॉप पिक' बताया था। फर्म का कहना है कि रिलायंस ने अपने 48 साल के इतिहास में हर दशक में अपना रुख बदला है। एनालिस्ट का कहना है कि अगले सात दशकों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उससे जुड़ी एनर्जी सप्लाई और डिजिटल इकोसिस्टम में 110 अरब डॉलर का निवेश कंपनी के लिए कैपिटल इन्वेस्टमेंट की अगली बड़ी शिफ्ट होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज को ट्रैक करने वाले 37 एनालिस्ट में से 35 ने इन्वेस्टमेंट को 'खरीदने' की सलाह दी है, जबकि केवल दो ने 'बेचने' की सिफारिश की है। सोमवार को रिलायंस के शेयर 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,418.6 रुपये पर बंद हुए और निफ्टी 50 इंडेक्स को दिन के निचले स्तर से बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान दिया।

# यूरिया पर संकट के बादल: ईरान-इजरायल युद्ध का सीधा असर, उत्पादन 60 प्रतिशत पर सिमटा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई ने भारत के उर्वरक क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव डाला है। गैस की आपूर्ति में भारी कमी के चलते देश के अधिकांश यूरिया प्लांट अपनी क्षमता का महज 60 प्रतिशत ही उत्पादन कर पा रहे हैं। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई ने भारत के उर्वरक क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव डाला है। खाड़ी क्षेत्र में बिगड़ते हालात के कारण भारत को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे देश का यूरिया उत्पादन अदन 60 प्रतिशत पर आ गया है। ग्रामीण आवाज ने उद्योग प्रतिष्ठानों के काउंटरटॉप से बताया है कि गैस की आपूर्ति में भारी कमी के चलते देश के ज्यादातर यूरिया प्लांट अपनी क्षमता का महज 60 प्रतिशत ही उत्पादन कर पा रहे हैं। केवल

दक्षिण भारत में स्थित कुछ प्लांट ही पूरी क्षमता से चल रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए कई कंपनियां अप्रैल में होने वाले अपने सालाना रखरखाव यानी शटडाउन को एक सप्ताह पहले करने की योजना बना रही हैं, ताकि गैस की कमी से उत्पन्न दबाव को कम किया जा सके। ईरान द्वारा किए गए हमलों के जवाब में कतर, यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब ने अपने कई गैस प्लांटों को बंद कर दिया है। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री इलाकों से इन देशों से तेल और गैस की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। भारत अपनी गैस इकाइयों का करीब 50 प्रतिशत आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा लेबनान खाड़ी देशों से आता है। गैस और यूरिया की कीमतों में उछाल रूरलवॉयस की खबर के हिसाब से संकट के कारण वैश्विक बाजार में गैस की कीमतें 20 डॉलर प्रति मीट्रिक टन बी.टी.यू. के पार पहुंच गई हैं, जो भारतीय प्लांट्स को गेल के जरिए मिलने वाली पूल्ड कीमत (13.63 डॉलर) से कहीं ज्यादा है। इसका सीधा असर यूरिया की कीमतों पर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया के दाम पिछले एक महीने में 25 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 600 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गए हैं, जो फरवरी में लगभग 475 डॉलर प्रति टन था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगर देश में खाद्य पदार्थों का स्टॉक पिछले साल की तुलना में बेहतर स्थिति में है... यूरिया: फरवरी 2026 के अंत में स्टॉक 55 लाख टन (पिछले साल 49 लाख टन) फरवरी 2026 के अंत में स्टॉक 25 लाख टन (पिछले साल 13 लाख टन) हालांकि, उद्योग जगत का दबाव है कि अगर यह युद्ध मार्च के अंत तक जारी रहता है और खाड़ी देशों में बंद पौधों को चालू होने में एक महीने का समय लगता है।

## एलपीजी पेट्रोल-डीजल से लेकर महंगाई तक, क्रूड ऑयल ने लिया -टर्न, लोगों ने ली राहत की सांस

**नईदिल्ली, एजेंसी।** बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में मानों सी लग गई हो। क्रूड ऑयल का भाव लगातार बढ़ रहा था। लेकिन एक बार फिर से क्रूड ऑयल ने यूटर्न लिया है। जिसकी वजह से दाम 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। भारत के नजरिए से देखें तो इस हजारों करोड़ रुपये की बचत होगी। बता दें, सोमवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल फ्यूचर का रेट 119.50 डॉलर प्रति बैरल था। सोमवार को उच्चतम स्तर की तुलना में ब्रेंट क्रूड ऑयल का रेट 26.27 प्रतिशत गिर चुका है। आज मंगलवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल 88.10 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। एक महीना पहले यह 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे था। यानी एक बार फिर से कीमतें सामान्य हो रही हैं। ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्लादिमीर पुतिन बीच फोन पर बातचीत हुई है। दोनों नेता इस युद्ध को समाप्त करने को लेकर एक पक्ष में दिखे। सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है। बता दें, पहले उम्मीद की जा रही थी कि यह युद्ध 4 हफ्तों तक जारी रहेगा। अगर ऐसा होता है तब की स्थिति में

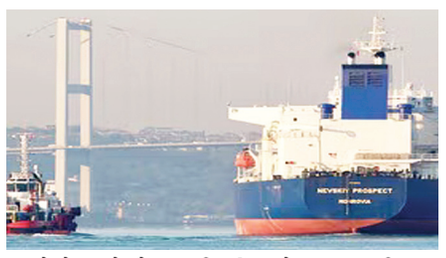

कच्चे तेल को लेकर पूरी दुनिया में अफरतफरी मच सकती है। अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता प्रभावित हुआ है। जिसके बाद लगभग सभी मिडिल ईस्ट के देशों ने ऑयल प्रोडक्शन में कटौती थी। ईराक का प्रोडक्शन 70 प्रतिशत की कटौती के बाद 1.3 मिलियन प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। वहीं, कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने भी प्रोडक्शन में कटौती की है। नजरिए से राहत भरी खबर होगी। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। उसमें से भी बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से आता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)